विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त एवं विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन से स्थायी संबद्धता प्राप्त इस महाविद्यालय का सत्र सफलता एवं उपलब्धियों से भरा रहा। म.प्र. शासन के उच्च शिक्षा विभाग एवं विक्रम विश्वविद्यालय के दिशा निर्देश अनुसार हेतु प्रवेश प्रक्रिया सम्पन्न हुई। इसी प्रकार महाविद्यालय में मारवनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं जन-संचार विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार संबद्ध पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया सम्पन्न हुई। दोनों ही विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में कक्षावार प्रवेश की स्थिति इस प्रकार है:-

New Admission :- 2021 - 22

Class	I Year	II Year	III Year	Total
B.Com (CA)	55	35	44	134
B.Com (P)	21	24	42	87
B.Com (Tax)	06	05	13	24
B.Com (Hons)	22	22	10	54
B.Sc. (CS)	07	16	21	44
B.Sc. (MB)	11	05	23	39
B.Sc. (P)	01	0	02	03
BBA	25	30	28	83
M.Com	19	16	0	35
BCA	23	16	17	56
M.Sc	01	0	0	01
PGDCA	07	0	0	07
DCA	03	0	0	03
BA (MC)	0	0	1	01
Total	201	169	201	571

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Result Analysis

2020 - 2021

Vikram University

Class	Registered students	Passed students	Passing %
B.Com I year	66	66	100%
B.Com II year	102	102	100%
B.Com III year	138	138	100%
B.Com (Hons) I year	23	23	100%
B.Com (Hons) II year	10	10	100%
B.Com (Hons) III year	18	18	100%
B.Sc. I year	21	21	100%
B.Sc. II year	48	48	100%
B.Sc. III year	60	60	100%
BBA I year	31	31	100%
BBA II year	28	28	100%
BBA III year	20	20	100%
M.Com II sem	16	16	100%
M.Com. IV sem	11	11	100%

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Result Analysis

2020 - 2021

MCRPV

class	Registered students	Passed students	Passing %
BCA II sem	18	18	100%
BCA IV sem	17	17	100%
BCA VI sem	17	17	100%
PGDCA II sem	10	10	100%
DCA II sem	01	01	100%
M.SC IV sem	02	02	100%
BA (MC) - IV sem	01	01	100%
BA (MC) - VI sem	01	01	100%

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

"कॉमर्स संकाय के द्वारा Expansion possibilities The way ahead पर वेबिनार"

लोकमान्य तिलक विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय एवं इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरी ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वाधान मे 19/07/2021 को एक वेबिनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता स्कूल ऑफ स्टडीज एंड इकोनॉमिक्स DAVV, इन्दौर के व्याख्याता के रूप में श्री जेसव शॉमस एवम विशेष अतिथि के रूप मे बोर्ड ऑफ स्टडीज, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन से डॉ. शैलेन्द्र भारल उपस्थित थे। श्री शॉमस ने कहा की विद्यार्थियों को व सहयोगियों को इस महामारी के समय में तनाव दूर करने व समय प्रबंधन करने हेतु अभिप्रेरित करना होगा। आप ने बताया कि प्रबल इच्छा से हर कार्य में सफलता प्राप्त की जा सकती है सफलता हेतु कुछ बिन्दु बताए जैसे सुबह उठकर खुद को कांच में देखकर अपने आप को मोटिवेट करें, प्रतिदिन काम करने की लिस्ट बनाएं, वह इसे उसी दिन ही पूरा करने का प्रयास करें, इससे तनाव नहीं होगा। अपने अंदर आग पैदा करें, जिससे आगे बढ़ने व लक्ष्य प्राप्ति में सहयोग मिलेगा एवं साथ ही साथ ही उन्होंने कहा हिन्दी, अंग्रेजी ही नहीं दुनिया की यूनिवर्स भाषा है मुस्कान जिसके द्वारा आसानी से सफलता प्राप्त की जा सकती है।

Expansion possibilities the way ahead विषय पर आयोजित इस वेबिनार में लोकमान्य

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

तिलक महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. गोविंद गन्धे जी ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए मार्गदर्शन दिया व उत्साह वर्धन किया। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. केतकी त्रिवेदी ने किया। तकनीकी सहयोग श्री सुवीर सोलंकी व श्री योगेश मिश्रा द्वारा किया गया। आभार डॉ. अक्षिता तिवारी द्वारा किया गया एवम अतिथि परिचय डॉ. मीनल वनवट ने दिया।

गलतियाँ, विफलता, अपमान,
निराशा और अस्वीकृति
ये सभी उन्नति और विकास
का ही एक हिस्सा हैं।

कोई भी व्यक्ति बिन
अनुभवों से गुजरे बिना,
जीवन के सम्मानजनक
स्थान प्राप्त नहीं कर सकता।

Scanned with OKEN Scanner
Scanned with OKEN Scanner

लोकमान्य टिलक शोध एवं अध्ययन केन्द्र द्वारा 02.08.21 को भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री योगेशभार्गवजी थे एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यपालन अधिकारी श्री गिरीशजी मालेशव ने की। कार्यक्रम की समरेखा रखते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. गोविन्द गन्धे ने बताया कि लोकमान्य टिलक की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

अपनी बात को कहना भी एक कला है जोर से, चिल्लाने से, आरोप-प्रत्यारोप से प्रवाही कथन नहीं प्रस्तुत किया जा सकता है। आवश्यक है कि वक्ता अत्यन्त संजीदगी के साथ तर्कों के द्वारा तथा संभावित आक्षेप को ध्यान में रखते हुए कहे। यह विचार महाविद्यालय में आयोजित शिक्षक संवर्ग की 'भाषण प्रतियोगिता' में श्री योगेशजी भार्गव की आशयँदी से व्यक्त किए।

अध्यक्षीय उद्बोधन में संस्था के कार्यपालन अधिकारी श्री गिरीशमालेशवजी ने कहा कि महापुरुषों की वैचारिक सम्पदा को सहेजना वर्तमान की आवश्यकता है क्योंकि विचार शाश्वत होते हैं और उन्हीं से भावी पीढ़ी को दिशा मिलती है।

प्रतियोगिता के प्रथम निर्णायक डॉ. हरिमोहन बुधौलिया, पूर्व आचार्य एवं अध्यक्ष हिंदी अध्ययनशाला; द्वितीय निर्णायक प्रोफेसर तुलसीदास परोहा, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष महर्षि

Scanned with OKEN Scanner
Scanned with OKEN Scanner

पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, तृतीय निर्णायक के रूप में श्री लोकेन्द्र शर्मा, विभाग संयोजक प्रज्ञा प्रवाह उज्जैन थे।

भाषण प्रतियोगिता का विषय- "भारत की अन - विज्ञान परम्परा को लोकमान्य टिलक का योगदान" समस्त इकाइयों से आए हुए प्रतिस्पर्धी शिक्षकों ने अपने विचार व्यक्त किए। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर श्री अमित जैन, लोकमान्य टिलक मतविद्यालय से द्वितीय स्थान पर श्री सुनील शर्मा एवं श्रीमती ज्योति चौरे, लोकमान्य टिलक विद्यालय पानदरीबा, तृतीय स्थान पर श्री मुकेश उमठ एवं श्रीमती मिनाक्षी अग्रवाल, लोकमान्य टिलक सीबीएसई विद्यालय रही, प्रोत्साहन पुरस्कारों में श्री श्रेयस कवड़े, सुश्री माधवी सगरे एवं श्रीमती कीर्ति व्यास, लोकमान्य टिलक विद्यालय, शिक्षा मतविद्यालय ने स्थान प्राप्त किया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. ममता पण्ड्या ने किया एवं अतिथि परिचय श्री अमित जैन और आभार डॉ. अनीता अग्रवाल के द्वारा किया गया।

"छोटी-छोटी असफलताओं से
निराश होने की जरूरत नहीं है।
याद रखें ताले की आखरी चाबी
भी ताला खोल सकती है।"

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

"विज्ञान बस यात्रा"

स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव के अंतर्गत विज्ञान एवं वैज्ञानिकों के योगदान की संकल्पना की पूर्ति के उद्देश्य से प्रदेशभर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। विद्यार्थियों को विज्ञान के प्रति जागरूक करने एवं भारतीय वैज्ञानिकों के स्वतंत्रता में योगदान को बताने के उद्देश्य से दिनांक 17/08/2021 को महाविद्यालय एवं विज्ञान भारती के संयुक्त तत्वावधान में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में विज्ञान भारती के प्रांत संगठन मंत्री श्री प्रजातंत्र जी गंगेले उपस्थित हुए। साथ ही कार्यक्रम में माधव विज्ञान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अर्पणा भारद्वाज, इंजिनियरिंग कॉलेज के श्री पराग अग्रवाल, लोकमान्य टिळक विद्या विहार के प्राचार्य श्री सानेन्द्र शर्मा, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. गोविन्द गन्धे, महाविद्यालय एवं विद्यालय के शिक्षकगण एवं करीब 90 विद्यार्थी उपस्थित हुए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री गंगेले जी ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के आंदोलन में विज्ञान एवं वैज्ञानिकों का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है। आधुनिक विज्ञान एवं पुरातन विज्ञान को साथ में लेकर कार्य करने की आवश्यकता है।

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

इसी उद्देश्य से 11, 12, 13 दिसम्बर को इन्दौर आई. आई. टी. में मध्यप्रदेश विज्ञान सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इन कार्यक्रमों का उद्देश्य है कि 2047 में जब भारत आजादी के 100 वर्ष पूर्ण करे तब पूरा विश्व विज्ञान के क्षेत्र में भारत का अनुसरण करे। साथ ही आपने बताया कि विज्ञान के महत्त्व को जन जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से एक 'विज्ञान बस यात्रा' का आयोजन किया है जो मध्यप्रदेश के 52 जिलों में भ्रमण करेगी जिसमें विज्ञान के प्रयोगों एवं इतिहास को दर्शाया गया है। वह विज्ञान बस महाविद्यालय में विद्यार्थियों के अवलोकनार्थ लाई गई। कार्यक्रम के अंत में समस्त विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा विज्ञान बस में दर्शाये गये प्रयोगों एवं इतिहास का अवलोकन किया गया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. अंजली शाह ने किया एवं श्री योगेश मिश्रा ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

"बुरा वक्त हमारी छिपी
हुई प्रतिभा को निखारने
के लिए आता है।"

Scanned with OKEN Scanner
Scanned with OKEN Scanner

एक्सीलेंस क्लब (Excellence Club)

दिनांक - 16/9/2021

वर्ष 2021-22 में एक्सीलेंस क्लब की प्रथम मीटिंग 16/9/2021 को ऑनलाइन आयोजित की गई जिसमें नए विद्यार्थियों जिन्होंने गत वर्ष में 85% और अधिक अंक प्राप्त किए उन्हें शामिल किया गया। एक्सीलेंस क्लब में शामिल होने वाले विद्यार्थियों की कुल संख्या 60 थी जिसमें से लगभग 30 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन मीटिंग में भागिदारी की। प्राचार्य डॉ. गोविन्द गान्धेजी द्वारा सभी विद्यार्थियों का अभिनंदन करते हुए विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई जैसे :- विद्यार्थियों में अनुशासन एवं नियमितता होना जरूरी है, विद्यार्थियों को SWOT ANALYSIS के बारे में बताया गया, प्रश्न पत्र में उत्तर किस प्रकार लिखे जाऐं इस पर भी चर्चा की गई, परिक्षा में परफॉर्मेंस किस तरह सुधारा जाए जिससे कि विश्वविद्यालय की प्राविण्य सूची में स्थान प्राप्त कर पाए, विद्यार्थियों को नई शिक्षा नीति के तहत पढना होगा तथा सैद्धान्तिक एवं व्यवहारिक दोनों ही पहलुओं का ध्यान रखना पड़ेगा।

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

प्राचार्य महोदय द्वारा कॉलेज मे चलाए गए विभिन्न Skills Development Courses के बारे में बताया गया जैसे :- Tally with Accounting, Tally with GST, Accounting & Preparation of Auditing, Hardware, Gardening आदि। इसी के साथ ICSI Study Centre के बारे में भी विद्यार्थियों को बताया गया। Music facilities, Sports facalities, NCC, NSS, library, Research Centre, Education Tour, Commerce Club, language lab, Mathematics lab, Solar Plant, Varmi compose, Annual Magazine सभी से विद्यार्थियों को अवगत कराया गया। प्राचार्य महोदय द्वारा विद्यार्थियों को यह बताया गया कि समग्र विकास तब ही होगा जब पढ़ाई के साथ-साथ अन्य गतिविधियों में भी हिस्सा लेंगे। विद्यार्थियों को उनके वार्षिक परिक्षा परिणाम की बधाई देते हुए तथा आगे भविष्य में मेरिट लिस्ट में आने की शुभकामनाओं के साथ मीटिंग समाप्त की गई। मीटिंग का संचालन डॉ. नितिशा तोषनिवाल द्वारा किया गया।

Scanned with OKEN Scanner
Scanned with OKEN Scanner

एक्सीलेंस क्लब (Excellence Club)

दिनांक - 4/1/2022

लोकमान्य तिलक विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय में दिनांक 4/1/2022 को 11:00 बजे एक्सीलेंस क्लब की दूसरी मीटिंग आयोजित की गई। जिसमे लगभग 30 विद्यार्थी उपस्थित रहे। मीटिंग प्राचार्य महोदय डॉ. गोविन्द गान्धेजी द्वारा ली गई। प्राचार्य महोदय द्वारा सभी विद्यार्थियों का Introduction लेते हुए विभिन्न विषयों पर गहन चर्चा हुई। इस चर्चा में विद्यार्थियों से कॉलेज के अलावा उनकी other Activities के बारे में पुछा गया। प्राचार्य द्वारा विक्रम विश्वविद्यालय की प्राविण्य सूची में स्थान प्राप्त करने हेतु विद्यार्थियों से महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा की गई। जिसमें नियमित कक्षा में आना, Time-Table बनाकर पढ़ना, Study Plan तैयार करना तथा यदि जरूरत हो तो Evening Classes एवं Sunday Classes के बारे में भी विचार कीया जायेगा साथ ही किसी भी प्रकार की Academic एवं Non-Academic सहायता यदि किसी विद्यार्थि को चाहिए तो उस पर भी विचार किया गया।

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

इसी के साथ नई शिक्षा नीति के विभिन्न पहलुओं पर भी चर्चा की गई। विद्यार्थियों को बताया गया कि नई शिक्षा नीति Multi-disciplinary होने के साथ ही Practical knowledge पर ज्यादा based है और इसी के साथ सभी विद्यार्थियों को भविष्य के लिए शुभकामनाएँ देते हुए तथा अगली मीटिंग में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को आमंत्रित करने के प्रस्ताव के साथ मीटिंग को समाप्त किया गया।

मीटिंग का संयोजन डॉ. नितिशा तोषनीवाल एवं डॉ. मीनल वनवट द्वारा किया गया।

अपनी कमजोरी उन्हें ही बताये,
जो हर हाल में मजबूती से
आपके साथ खड़े हो,
क्योंकि रिश्ता हो या मोबाइल,
नेटवर्क न हो तो लोग
गेम खेलने लगते हैं॥

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

गणेशोत्सव के अंतर्गत विद्यार्थियों भाषण प्रतियोगिता **नवोन्मेष**

लोकमान्य तिलक शोध एवम् अध्ययन केन्द्र के द्वारा गणेश उत्सव के अंतर्गत दिनांक 18-09-2021 को लोकमान्य तिलक संस्थाओं की विभिन्न इकाईयों के छात्रों के लिए दो समूहों में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय में किया गया। भाषण प्रतियोगिता का शुभारंभ मां सरस्वती एवं लोकमान्य तिलक जी के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्जवलन एवं पूजन के साथ हुआ। शोध केंद्र के निर्देशक प्राचार्य डॉ. गोविन्द गन्धे ने कार्यक्रम की सपरेखा रखते हुए तिलक जी के जनजागृति लाने हेतु गणेशोत्सव को जनआंदोलन बनाने के इतिहास को बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए लोकमान्य तिलक संस्कृतिक न्यास के अध्यक्ष श्री किशोर जी खण्डेलवाल ने कहा कि गणेशोत्सव के अंतर्गत होने वाले आयोजनो से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का विकास होता हैं। हम सभी को तिलक जी के व्यक्तित्व से प्रेरणा लेना ही चाहिए।

भाषण प्रतियोगिता को दो समूह में विभाजित किया गया था - उच्चतर समूह एवं माध्यमिक समूह। भाषण प्रतियोगिता के विषय इस प्रकार है:

1. उच्चतर समूह: "तिलक एक संघर्षशील व्यक्तित्व"
2. माध्यमिक समूह: "लोकमान्य तिलक एक छात्र के रूप में"

कार्यक्रम में प्रोफेसर अमित जैन, डा. अक्षिता तिवारी (लोकमान्य तिलक महाविद्यालय) एवम्

Scanned with OKEN Scanner
Scanned with OKEN Scanner

ग. रश्मि पंड्या (लोकमान्य तिलक शिक्षा महाविद्यालय) ने भाषण प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका निभाई। अतिथियों एवं निर्णायकों का स्वागत ग. शीतल कुमार शर्मा, प्रोफेसर योगेश मिश्रा, ग. नितिशा तोषनीवाल, ग. केतकी त्रिवेदी ने किया।

कार्यक्रम के अंत में लोकमान्य तिलक माध्यमिक विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती शुभा मराठे, लोकमान्य तिलक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, पानदरीबा की प्राचार्य श्रीमती वसुधा केसकर, लोकमान्य तिलक शिक्षा महाविद्यालय की प्राचार्य ग. रश्मि पंड्या एवं लोकमान्य तिलक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, नीलगंगा के प्राचार्य श्री ज्ञानेंद्र शर्मा ने अपना मार्गदर्शन दिया। निर्णायकों की ओर से प्रोफेसर अमित जैन ने परिणामों का विश्लेषण किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डा गोविन्द गन्धे ने परिणामों की घोषणा के लिए डॉ. अक्षिता तिवारी को आमंत्रित किया।

माध्यमिक समूह में शाश्वत शर्मा तृतीय स्थान पर, चेतना नागोरिया द्वितीय स्थान पर एवं कु. चंचल वडनेरे ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

उच्चतर समूह में कर्मवीर कुमावत तृतीय स्थान पर, शिवांजलि सिंह द्वितीय स्थान पर एवम् सृष्टि गुप्ता एवम् चंद्रभूषण बारोट प्रथम रहे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती सोनल गोधा ने किया व आभार ग. नितिशा तोशनीवाल ने माना।

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

"आई. टी. विशेषज्ञता और कौशल" विषय पर शिक्षकों के लिए सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

लोकमान्य तिलक विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय मे सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसका विषय "आई. टी. विशेषज्ञता और कौशल था। इस कार्यशाला मे शिक्षकों के ज्ञान मे आई. टी. का समावेश कर उनके प्रस्तुतीकरण की निरन्तरता, आत्म-निर्भर बनना, तथा नई तकनीकी का लाभ लेकर आगे बढ़ना सिखाया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य वर्तमान समय मे कैसे अपनी प्रस्तुतीकरण को और दिलचस्प बनाना, जिससे विद्यार्थी पुरे समय आपकी और आपके विषय प्रस्तुतीकरण की प्रतीक्षा करे तथा आपके द्वारा दिए गए व्याख्यान को पूरी तरह समझ कर स्वयं का विकास और देश के विकास मे अपनी महती भुमिका को अदा करे।

सात दिवसीय कार्यशाला मे कई विषयो का समावेश किया गया जिसके हार्डवेयर का ज्ञान, उनका संचालन, उनकी कार्यशैली जैसे बिन्दुओ को विस्तार से समझाया गया। हार्डवेयर को आपस मे कैसे जोड़ा जाता है, जोड़ते समय किन बिंदुओ का ज्ञान व ध्यान रखना पड़ता है, और कौन - कौन से प्रकार की परेशानी का सामना करना होता है। इससे निपटने के उपायों को समाधान पुर्वक समझाया

गया था। जिसे सभी शिक्षकों द्वारा विशेष रुचि लेकर सीखा गया। आगामी स्तर पर सभी शिक्षक साथियों द्वारा कम्प्यूटर के सभी घटकों को जोड़ना व निकालना सीखा।

कार्यशाला में निरंतरता के साथ विभिन्न घटकों को जोड़ने हेतु किन अलग-2 माध्यमों की आवश्यकता होती है, उनके बारे में विस्तार से बताया गया। सी.पी.यू से विभिन्न घटक किस केबल के माध्यम से जुड़ते है, उनकी जानकारी देकर उनके प्रकारों को समझाया गया। सीरियल की-बोर्ड और माउस पोर्ट, VGA पोर्ट, USB पोर्ट LAN पोर्ट व अन्य AUDIO/VIDEO पोर्ट को किस केबल से जोड़ना है। सभी प्रकार की CHORD की क्या विशेषता है, और उन्हें कैसे जोड़ा जाता है, जोड़ते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिये, इन सभी को विस्तार से समझाया गया। जिसमें सभी शिक्षकों की भागीदारी रही।

वर्कशॉप मे सभी भागीदारो को कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर को उनके प्रकारों के आधार पर समझाया गया। सॉफ्टवेयर के तीनों प्रकारों को बताया गया तथा उनके बहुआयामी उपयोग के बारे मैं जानकारी दी गई। प्रथम प्रकार सिस्टम सॉफ्टवेयर को उदाहरण के माध्यम से उनकी प्राथमिकता, उनका अनुप्रयोग, उनका प्रभाव,

Scanned with OKEN Scanner
Scanned with OKEN Scanner

उनकी महत्ता को विस्तार से बताकर वर्तमान के चल रहे, सिस्टम software से अवगत कराया गया। आगामी समय में किन सिस्टम software से हमें अवगत होना है और उनका प्रयोग कैसे करना इसकी जानकारी देकर सभी पुर्वानुमानों की जानकारी दी गयी। द्वितीय प्रकार है Application software, जो किसी विशेष Application का अनुप्रयोग करने के लिए बनाये जाते हैं उन software को उदाहरण देकर अवगत कराया गया। MS-office, Tally जैसे अनेकों software जिसका अपना एक विशेष कार्य होता है और वह इसके अलावा कोई अन्य दूसरा कार्य नहीं कर सकता है ऐसे Application software के बारे मे अवगत कराया गया/ तीसरा प्रकार Utility software जो की केवल एक ही प्रकार का कार्य करने के लिये उपयोग मे लाया जाता है। उदाहरण एक ANTI VIRUS, MUSIC PLAYER व अन्य। इस प्रकार software के प्रकारों को समझाया गया व उनके द्वारा पुछी जिज्ञासा को दूर किया गया। Keyboard का अनुप्रयोग कार्यशाला मे इस बिंदु को महत्वपूर्ण मानकर इसे विस्तार से एक विशेषरूप से समझाया गया। सबसे पहले कीबोर्ड मे कितने प्रकार की Keys होती है उन्हें बताया गया। Keyboard के अन्दर तीन प्रकार की Keys होती है उन्हें

विस्तार से समझाया गया। जिसमे Alphabet keys Numeric keys, Special keys आदि के। साथ ही सामान्यतः उपयोग मे आनेवाली विभिन्न Short Cut Keys को भी उनके उपयोग सहित बताया। मुख्यतः Keyboard द्वारा English व Hindi Typing कैसे की जाती है, उससे सम्बन्धित बारिकियो को प्रायोगिक तौर सिखाया गया। जिससे शिक्षको मे Typing को लेकर आने वाली समस्याऐ दूर हुई। सभी प्रतिभागियो ने Keyboard से परिचित होने के लिये विशेष प्रयास किये।

वर्कशॉप मे प्रतिभागियो को Photo को scan करना तथा उसे निश्चित स्थान पर save करना, Photo को Size बदलना आदि सिखाया गया।

महाविद्यालय से सम्बन्धित ऑनलाइन कार्यो एवं महत्वपूर्ण Websites के बारे मे विस्तार से चर्चा कर उनके उपयोग को बताया गया। Website जैसे mponline.gov.in, vikramuniv.ac.in, mcv.ac.in आदि के जानकारी दी। और MP-Higher Education व Scholarship Portal की भी जानकारी शिक्षको दि गयी।

ऑनलाइन से सम्बन्धित कार्य जैसे Form भरना, Documents upload करना, उसका Preview

देखना, उसे submit करना आदि सिखाया गया।
इस कार्यशाला में office के कार्यों को सुचारु रूप से संचालित करने हेतु Ms-word, Ms-Excel, Ms-Powerpoint का भी प्रशिक्षण दिया गया। सभी प्रतिभागियों को word में Typing, Page setting, Formatting, Margin setting, Spelling & Grammar, Find & Replace आदि की जानकारी दी।

Excel में worksheet को बनाना, उसमें formula apply करना, worksheet को Page पर set करना, worksheet को Print करना, साथ Excel में chart कैसे बनाये जाते हैं उसे भी सिखाया गया।

Powerpoint में शिक्षण अनुरूप Presentation तैयार करना, साथ ही उसे मनोरंजक बनाना सिखाया गया। जिसमें custom Animation, sound apply करना आदि।

प्रतिदिन सभी प्रतिभागियों को वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के माध्यम से Test लिया गया, साथ ही Feedback Form भी भरवाये गये।

इस कार्यशाला का आयोजन 27 Sep, 2021 से 5 Oct 2021 तक प्राचार्य डॉ. गोविन्द गन्धे के मार्ग-दर्शन में किया गया। जिसमें श्री योगेश मिश्रा, श्री सुधीर सोनकर

और डॉ केतकी त्रिवेदी द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।
सात दिवसीय कार्यशाला के अन्तिम दिवस पर
सभी प्रतिभागियों ने कार्यशाला की सराहना की।

लघु कथा

एक संत नदी के किनारे बैठे थे, गुजरते हुए पथिक ने पूछा- "बाबा क्या कर रहे हो?" साधु जी बोले: इंतजार कर रहा हूँ कि पूरी नदी बह जाए, तो फिर पार करू। उस व्यक्ति ने कहा- कैसी बात करते हो बाबा, पूरा जल बहने के इंतजार में तो कभी तुम नदी पार ही नहीं कर पाओगे।

संत ने कहा - यही तो मैं तुम लोगों को समझाता हूँ कि वह सोचते रहोगे कि एक बार जिम्मेदारियाँ पूरी हो फिर धर्म मार्ग पर आगे बढ़ूँ तो कभी नहीं कर पाओगे।

Scanned with OKEN Scanner
Scanned with OKEN Scanner

" परिसर का पर्यावरण को योगदान "

लोकमान्य तिलक विज्ञान एवम् वाणिज्य महाविद्यालय में " परिसर का पर्यावरण को योगदान " को केंद्र में रखकर एक व्यापक शोध कार्य किया गया। इस शोध कार्य को श्रीमती सोनल गोधा ने प्राचार्य डा. गोविन्द गन्धे के मार्गदर्शन में संपन्न किया है। इस कार्य में साथी शिक्षक डा. अंजलि शाह एवम् बी.एस.सी द्वितीय वर्ष माइक्रोबायलॉजी की छात्राओं अंशिका कुशवाह, डिंपल माली, पूजा आँजना और रुचिका पचलानिया ने भी सहयोग प्रदान किया है।

किए गए कार्य का निष्कर्ष इस प्रकार है: महाविद्यालय में कुल 959 वृक्ष / पौधे हैं। इनमें पर्यावरण की दृष्टि से अति महत्वपूर्ण वृक्षों की संख्या 91 हैं, औषधीय महत्व के कुल 405 पेड़-पौधे हैं, धार्मिक महत्व के 58 पेड़-पौधे है, फलदार वृक्षों की संख्या 12 और पुष्प वाले पौधों की संख्या 353 हैं तथा शोभादायक वृक्ष / पौधों की संख्या 20 हैं।

औषधीय गुणों का आंकलन करते हुए हमने पाया कि पर्यावरण को शुद्ध करने के

Scanned with OKEN Scanner
Scanned with OKEN Scanner

साथ - साथ सर्वाधिक मात्ता में ऑक्सीजन का निर्माण करने वाले प्रमुख वृक्ष है: तुलसी, बांस, स्नेक पाम, एरिका पाम, वट-वृक्ष, नीम, ~~तुलसी~~, पीपल, अर्जुन, अशोक, बेल-पत्र। मनी- प्लांट, ऐलोवेरा, तुलसी व बेलपत्र 24 घंटे ऑक्सीजन का उत्पादन करते हैं, साथ ही प्रदूषण को कम करने में भी सहायक होते हैं। सभी वृक्ष / पौधे असाध्य बिमारियों में भी उपचार के उपयोग में आते हैं जैसे: पारस-पीपल अस्थमा, डायबिटीज एवं अर्थराइटीज के उपचार में प्रयोग किया जाता है। पाम, जामुन एवं अशोक के वृक्ष डायरिया, डिसेंट्री और पेट दर्द की समस्या के समाधान में उपयोग में आते हैं। नीम का उपयोग लेप्रोसी, UTI, कार्डियोवेस्कुलर और पाचन संबंधी समस्या, को दूर करने में किया जाता है। बेर का उपयोग चेचक के उपचार, याददाश्त बढ़ाने एवम् एंटीडिप्रेसंट के रूप में किया जाता है। सिवित सर्जन (दूधी) का उपयोग घाव को ठीक करने, कैंसर के उपचार और किड़नी के स्टोन को दूर करने के लिए किया जाता है। गिलोय का उपयोग Immunity Booster और डेंगु के उपचार में

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

वर्तमान में हम सभी लोग कर रहे हैं। सीमल के प्रत्येक अंग का उपयोग उपचार में किया जाता हैं जैसः इनफ्लूएंजा, सर्पदंश, UTI एवं दांतों के दर्द को दूर करने में इसका उपयोग किया जाता हैं। गुडहल का उपयोग लीवर को बूस्ट करने, स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को दूर करने एवं ब्लड़ प्रेशर को कम करने के लिए किया जाता हैं। साथ ही यह पर्यावरण में 5% आक्सीजन को बढ़ाता हैं और 10% कार्बन डाई आक्साइड को कम करता हैं।

वृक्षों की विशेषताओं का आंकलन करते हुए निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि महाविद्यालय के परिसर में उपस्थित वृक्षों / पौधों के माध्यम से प्रतिवर्ष 507.6 टन आक्सीजन का उत्पादन होता हैं और 99.2 टन कार्बनडाइ आक्साइड, अवशोषित की जाती हैं। वर्तमान में कोरोना संकट में जिस प्रकार आक्सीजन पर आम आदमी / शासन का खर्च हुआ हैं यदि उसे देखा जाए तो महाविद्यालय परिसर मे प्रतिदिन 1.4 टन आक्सीजन का उत्पादन हुआ हैं जिसकी मार्केट वैल्यू लगभग 17.78 लाख रु. हैं। इस प्रकार एक वर्ष में परिसर से 64.45 करोड़ रुपए की आक्सीजन

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

का उत्पादन हुआ है। इसके अलावा वातावरण को प्रदूषित करने वाले अन्य तत्व जैसे: सल्फर, कार्बन मोनो आक्साइड, कार्बन डाई आक्साइड एवं अन्य प्रदूषकों को भी परिसर के वृक्षों / पौधों द्वारा अवशोषित करके पर्यावरण से लगभग 2% प्रदूषण की मात्रा को कम किया जाता है। परिसर में उपस्थित अशोक जैसे वृक्ष ध्वनि प्रदूषण को भी रोकने में समर्थ है।

परिसर के आसपास 3 एकड़ (1.2 - 1.8 hectare canopy Area) के लगभग 830 लोगों के लिए प्रति वर्ष पर्याप्त आक्सीजन की आपूर्ति परिसर के वृक्षों / पौधों के माध्यम से की जाती है। भूमि को उपजाऊ बनाना व जल स्तर को बढ़ाने की दृष्टि से भी इनका महत्व है। जिसका परिणाम यह है कि शिक्षा परिसर के भूमिगत जल का स्तर आस-पास के स्थानों की अपेक्षाकृत बहुत अच्छा है। भीषण गर्मी में भी यहाँ का जल स्तर अपेक्षाकृत अच्छा बना रहता है। इतनी सघन मात्रा में वृक्षों के कारण परिसर व आसपास का तापमान औसत बना रहता है।

नक्षत्र - वाटिका के निर्माण एक पंथ, अनेक काम

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

सिद्ध हुए है जैसे: नक्षत्रों के पारंपरिक महत्व से विद्यार्थी व अन्य जन-सामान्य न केवल परिचित हुए है अपितु उनको एक विशेष जानकारी भी प्राप्त हुई हैं।

नक्षत्र-वाटिका में रोपित किए गए पौधे/वृक्ष प्राचीन ज्योतिष-विद्या के महत्व को तो दर्शाते ही हैं साथ ही अन्य लाभ जैसे: पर्यावरण संरक्षण, भू-जल स्तर में वृद्धि, औषधि उपयोग आदि की दृष्टि से भी लाभ-प्रद हैं।

महाविद्यालय के शिक्षकों एवम् छात्रों का यह शोधकार्य पर्यावरण संरक्षण एवम् संवर्धन की दृष्टि से परिसर के योगदान को रेखांकित करता हैं।

"लक्ष्य ज्यादा दूर नहीं बस रफ्तार थोड़ी तेज करनी हैं आज खामोशी से पढ़कर कल अपनी सफलता की कहानी लिखनी हैं।"

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

"लोकमान्य तिलक महाविद्यालय में इंस्ट्रूमेंटेशन विषय पर वर्कशॉप"

लोकमान्य तिलक विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय द्वारा विद्यालयीन छात्रों के लिए दिनांक 25/10/2024 से 31/10/2024 तक "वर्कशॉप ऑन द फेसेट्स ऑफ़ साइंस" विषय पर सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस कार्यशाला में बायोलॉजिकल साइंस के विद्यार्थियों को उन इंस्ट्रूमेंट की जानकारी दी गयी जिनका प्रयोग उन्हें करना ही होता है जैसे - माइक्रोस्कोप, ऑटोक्लेव, पीएच मीटर, हीमोसाइटोमीटर, हीमोमीटर, डिस्टिलेशन यूनिट, कीप एपरेटस, इन्क्यूबेटर, ब्लड ग्रुप टेस्टिंग, स्पेक्ट्रोफोटोमीटर एवं हीमोग्लोबिन आदि।

कार्यशाला का शुभारंभ लोटी न्याल एवं समीति के अध्यक्ष श्री किशोर खण्डेलवाल जी ने किया। उन्होंने छात्रों से विज्ञान को प्रयोगों के साथ सीखने का आग्रह किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. गोविन्द गन्धे जी ने कहा कि उपकरणों के द्वारा हम परिणाम तथा निष्कर्ष पर पहुँच पाते हैं अतः उनका सही उपयोग सीखना अत्यंत आवश्यक है। संचालन डॉ. अंजली शाह ने किया।

इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य श्री सानेन्द्र शर्मा जी एवं वरिष्ठ व्याख्याता श्री प्रकाश राणे

Scanned with OKEN Scanner
Scanned with OKEN Scanner

व अन्य शिक्षक उपस्थित थे। कार्यशाला में महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापिका डॉ. अंजली शाह, श्रीमती सोनल गोधा एवं डॉ. जया परिहार द्वारा विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया गया।

प्रथम दिवस - कार्यशाला के प्रथम दिन माइक्रोस्कोप की संरचना एवं उसके भिन्न भिन्न प्रकार की जानकारी दी गई। साथ ही माइक्रोस्कोप को सेट करना, स्लाइड लगाना तथा स्लाइड को पहचानने का प्रशिक्षण दिया गया।

द्वितीय दिवस - द्वितीय दिवस रक्त समूह परीक्षण की जानकारी विद्यार्थियों को दी गयी। जिसमें ब्लड के प्रकार बताए गए। एंटीजन तथा एंटीबॉडी और सीरम क्या होते हैं और रक्त समूह का निर्धारण कैसे होता है वह समझाया गया। साथ ही ब्लड ग्रुप निकालना सिखाया गया इसमें सभी विद्यार्थियों का ब्लड टेस्ट किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने अपना अपना ब्लड का परीक्षण स्वयं किया एवं अपने ब्लड ग्रुप को जाना।

तृतीय दिवस - इसी श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए दिनांक 27/10/2021 को हिमोग्लोबिन का परीक्षण करना सिखाया गया। ब्लड में हिमोग्लोबिन

Scanned with OKEN Scanner
Scanned with OKEN Scanner

पाँचवा दिवस - कार्यशाला के पाँचवें दिवस कीप एपरेटस द्वारा प्रयोगशाला में हाइड्रोजन सल्फाइड गैस को बनते हुए दिखाया गया। इसी के साथ फोटोकलरी. -मीटर का प्रयोग कहाँ और कैसे किया जाता है, यह किस तरह से कार्य करता है, एग्जीबिशन को डिटेक्टर में कैसे लोड किया जाता है आदि की जानकारी दी गई।

छटवां दिवस - कार्यशाला को आगे बढ़ाते हुए फिजिकल बैलेंस की जानकारी दी गई एवं इसके प्वाइंटर को सेट करके मिनिमम व वजन तोलना सिखाया गया। 1 मिलीग्राम का बांट न होने की स्थिती में राइडर का प्रयोग करना सिखाया गया। इसके पश्चात् वर्मीकम्पोस्ट एवं नेचरल कम्पोस्ट की जानकारी दी गई एवं पेड़ पौधों से गिरे सूखे पत्तों से खाद निर्माण की जानकारी दी गई। साथ ही पी.एच मीटर से पी.एच ज्ञात करना एवं सेन्ट्रीफ्यूज की कार्यप्रणाली सिखाई गई। अंत में विद्यार्थियों ने वर्मीकम्पोस्ट यूनिट व नेचरल कम्पोस्ट यूनिट का भ्रमण किया।

सातवाँ दिवस - सातवें दिन कार्यक्रम का समापन करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. गोविन्द गन्धे जी ने सभी विद्यार्थियों से कार्यशाला के बारे में जानकारी ली एवं कुछ प्रश्न किये। इसके साथ विद्यार्थियों को सोलर ऊर्जा संयंत्र का भी भ्रमण कराया गया, साथ

Scanned with OKEN Scanner
Scanned with OKEN Scanner

ही उन्हें जानकारी दी गई कि सोलर पेनल किस तरह कार्य करते हैं एवं कैसे सोलर एनर्जी को कलेक्ट करके इलेक्ट्रिक कनवर्टर के द्वारा इलेक्ट्रिसिटी में बदलते हैं।

इस प्रकार सात दिवसीय कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों को करीब 14 से 15 इंस्ट्रूमेन्ट्स की जानकारी दी गई। इस कार्यशाला में विद्यालय तथा महाविद्यालय के लगभग 80 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यशाला में महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापिका डॉ. अंजली शाह, श्रीमती सोनल गोधा एवं डॉ. जया परिहार ने विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया।

जिन्दगी में अगर कुछ खोना पड़े तो दो लाईन हमेशा याद रखना, जो खोया हैं उसका गम नहीं और जो पाया हैं वो किसी से कम नहीं, जो नहीं हैं वो एक ख्वाब हैं, और जो हैं वो लाजवाब हैं।

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

"ICSI Career Awareness Program"

ICSI Career awareness program के तहत विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग के सहा. प्राध्यापक डॉ. केतकी त्रिवेदी, डॉ. अक्षिता तिवारी, डॉ. ममता पण्ड्या के द्वारा दिनांक 26/10/2021 को लोकमान्य तिलक विद्या विहार हाई सेकेंडरी स्कूल के 12 वीं के विद्यार्थियों के कैरियर मार्गदर्शन हेतु व्याख्यान आयोजित किया गया। इस व्याख्यान में कला, वाणिज्य एवं विज्ञान संकाय के विद्यार्थी सम्मिलित हुए। सभी विद्यार्थियों को प्रोफेशनल कोर्स Company Secretary के विषय में जानकारी दी गई।

डॉ. केतकी त्रिवेदी ने बताया कि वर्तमान समय में कंपनियों में कानून की जटिलता को देखते हुए कंपनी सेक्रेटरी की नियुक्ति अनिवार्य रूप से करनी होती है एवं भारत में मौजूदा समय में करीब 7000 CS की जरूरत है। ऐसे समय में विद्यार्थियों के लिए Company secretary बेहतर Professional career हो सकता है। आपके द्वारा कंपनी सेक्रेटरी का पूर्ण परिचय, भूमिका, कार्य, इसकी उपयोगिता एवं उसके महत्व को विस्तृत रूप से बताया।

डॉ. अक्षिता तिवारी ने बताया कि किसी भी कंपनी की कार्य सत्ता को सुचारू रूप से चलाने के लिए एक पद रिक्त रख जाता है। जिसे Company Secretary कहा जाता है। जिसका कोर्स ICSI के द्वारा करवाया जाता

Scanned with OKEN Scanner

है। Company secretary गवर्नमेंट और प्राइवेट फील्ड की हर सेक्टर की कंपनी में CS के लिए जॉब के अवसर है। बैंकिंग, फाइनेंस, स्टॉक कंसलटेंसी फर्म और कैपिटल मार्केट में उनकी मंग ज्यादा होती है। इसके अलावा वे स्वतंत्र प्रैक्टिस का option भी चुन सकते हैं। आपके द्वारा 12वीं के विद्यार्थियों कोर्स की पूर्ण जानकारी जैसे योग्यता, प्रवेश रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया परीक्षा पैटर्न एवं उनके तीनों level के संबंध में मार्गदर्शन किया गया।

डॉ. ममता पण्ड्या द्वारा महाविद्यालय के संबंध में विद्यार्थियों को विभिन्न विषय की जानकारी, गतिविधियों की जानकारी, छात्रवृत्ति, एनसीसी, एनएसएस, स्पोर्ट्स एवं महाविद्यालय द्वारा संचालित नई शिक्षा नीति के तहत व्यवसायिक कोर्स एवं प्रकल्प की जानकारी दी गई।

दिनांक 14.12.2021 को ICSI career awareness program के अंतर्गत शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, माधव नगर उज्जैन में एक व्याख्यान आयोजित किया गया। इसमें महाविद्यालय की सहा. प्राध्यापिका डॉ. केतकी त्रिवेदी ने छात्रों का मार्गदर्शन किया।

सर्वप्रथम उन्होंने वर्तमान समय में व्यावसायिक पाठ्यक्रम का महत्व समझाया। उसके पश्चात कम्पनी सचिव कोर्स करने पर भविष्य में उपलब्ध रोजगार के अवसरों - यथा Key Managerial personnel, Compliance officer, Secretarial Auditor, Corporate Risk Manager, GST Professional, Registered Valuer इत्यादि से छात्रों को अवगत कराया। साथ ही कम्पनी सचिव कोर्स में प्रवेश हेतु योग्यता, पंजीयन प्रक्रिया, परीक्षा प्रणाली, फीस इत्यादि से संबंधित जानकारी दी।

महाविद्यालय में संचालित ICSI UJJAIN STUDY CENTER की जानकारी भी छात्रों को दी। यह भी बताया कि स्टडी सेंटर पर छात्रों को पंजीयन, पुस्तकालय एवं कम्पनी सचिव कोर्स से संबंधित अन्य जानकारी प्राप्त हो सकेगी।

कार्यक्रम में 40 से अधिक विद्यार्थियों ने सहभागिता की। व्याख्यान के पश्चात डॉ. निलिशा तोजमीवाल सहा. प्राध्यापक वाणिज्य विभाग ने विद्यार्थियों को महाविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों एवं विभिन्न सुविधाओं यथा एनसीसी, एनएसएस, स्पोर्ट्स, लेब, लायब्रेरी, छात्रवृत्ति इत्यादि से अवगत कराया। साथ ही ऑनलाइन एवं ऑफलाईन प्रवेश प्रक्रिया की भी जानकारी दी।

रिटेल मैनेजमेंट पर व्याख्यान -

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को विद्यालयों में संचालित किया जा रहा है। इसी संदर्भ में दि. 18.11.2021 को महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग की सहा. प्राध्यापक डॉ. नितिशा लोधनीवाल एवं डॉ. ममता पण्या को शासकीय उ.मा. सेकेण्डरी स्कूल पवासा में रिटेल मैनेजमेंट विषय के व्याख्यान हेतु आमंत्रित किया गया, जिसमें रिटेल मैनेजमेंट से संबंधित सभी Basic Knowledge, वर्तमान स्थिति एवं भविष्य की संभावनाओं पर विस्तृत रूप से प्राध्यापकों द्वारा मार्गदर्शन किया गया।

साथ ही विद्यार्थियों द्वारा पूछे गये प्रश्न एवं उनकी जिज्ञासा को उचित उत्तर से संतुष्ट किया गया।

"जब हम किसी का अपमान करते हैं तो
दरअसल उस वक्त हम
अपना सम्मान खोते हैं।"

अतिथि व्याख्यान - "विज्ञापन, पैकेजिंग एंड लेबलिंग"

विद्यालय शिक्षा को रोजगार परक बनाने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश के सरकारी स्कूलों के पाठ्यक्रमों में कुछ नए व्यावसायिक कोर्स शामिल किए गए हैं। इसके अंतर्गत समय - समय पर विद्यार्थियों हेतु अतिथि व्याख्यानों का आयोजन किया जाता है।

दिनांक 24/12/2021 को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, पंवासा में रिटेल ट्रेड व्यावसायिक कोर्स के अंतर्गत विज्ञापन, पैकेजिंग एंड लेबलिंग विषय पर अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया। इस हेतु डॉ. केतकी त्रिवेदी, सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य, लोकमान्य तिलक विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय को आमंत्रित किया गया।

अपने व्याख्यान में डॉ. केतकी त्रिवेदी ने विद्यार्थियों को बताया कि विज्ञापन उपभोक्ता, समाज और उत्पादन को जोड़ने का कार्य करता है। आज का युग विज्ञापन का युग है। इसका महत्व सर्व सिद्ध है, जिसके बिना बाजार की कल्पना करना संभव नहीं है। उन्होंने विज्ञापन की अवधारणा, उद्देश्य, माध्यम, लाभ - दोष तथा पैकेजिंग एवं

लेबलिंग की आवश्यकता, उनके प्रकार इत्यादि बिंदुओं को उदाहरण सहित सविस्तार समझाया। साथ ही विषय पर प्रश्नोत्तर के माध्यम से चर्चा भी की।

विषय पर व्याख्यान के पश्चात डॉ. नेतिशा तोषनीवाल, सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य, लोकमान्य तिलक विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों को अपने महाविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों एवं विभिन्न सुविधाओं यथा एनसीसी, एनएसएस, स्पोर्ट्स, लैब, लाइब्रेरी, स्कॉलरशिप इत्यादि से अवगत कराया गया। साथ ही ऑनलाइन एवं ऑफलाइन प्रवेश प्रक्रिया की भी जानकारी दी।

कार्यक्रम के अंत में श्री राकेश लाल जी ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

मिट्टी का मटका और परिवार की कीमत
सिर्फ बनाने वाले को ही पता होती है,
तोड़ने वालों को नहीं

Scanned with OKEN Scanner

Career Awareness Program

महाविद्यालय में प्रथम वर्ष के छात्रों हेतु 06.01.22 को ICSI CAREER AWARENESS PROGRAM आयोजित किया गया। महाविद्यालय की सह. प्राध्यापिका, वाणिज्य संकाय की डॉ. केतकी तिवेदी ने छात्रों का मार्गदर्शन किया।

आपने कम्पनी सचिव कोर्स की महत्ता को रेखांकित करते हुए, रोजगार के सुनहरे अवसरों से विद्यार्थियों को अवगत कराया। यह भी स्पष्ट किया कि महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थी अपनी स्नातक उपाधि के साथ ही साथ कम्पनी सचिव कोर्स को आसानी से पूर्ण कर सकते हैं। विद्यार्थियों को पंजीयन प्रक्रिया, परीक्षा प्रणाली, फीस, प्रशिक्षण इत्यादि, कोर्स से संबंधित विभिन्न जानकारियाँ दी।

महाविद्यालय में संचालित ICSI Vijain study center पर प्राप्त सुविधायें तथा study center की गतिविधियों एवं उपलब्धियों से विद्यार्थियों को अवगत कराया।

कार्यक्रम में 50 से अधिक विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

Scanned with OKEN Scanner

A Report on
The Language Lab Workshop
08-11-2021 to 22-11-2021
Place : Lokmanya Tilak Science and Commerce College.

The concept of language learning starts at an early age specially when we talk about the very first language. Second language acquisition may be difficult for a child who is having the rules of first language. But when it comes to English language learning the level of difficulty raises to a very high. And when it comes for English language learniy for teachers things can be extremely difficult. This difficulty can be made easy through the new technique known as Language learning lab This workshop was organized for the teachers with the help of language software along with the traditional method of chalk and talk. The entire training was given by Prof. Amit Jain.

Day 1.

This was the first day of the workshop in

which Dr. Govind Gandhe, the principal of the college gave a brief introduction and the objectives of such workshops and why the concept of multi-disciplinary approach has become the need of the hour. Later the faculty members were given instructions through the software regarding the few grammatical topics.

Day 2 -

The day started with an interesting discussion on Articles. The basic and elimentary components of a sentence - three articles, a, an and the. How to use them correctly keeping in mind the rules governing them. Assignment was given by the teacher Console which had different assignments for the teachers on their system. Few examples were also explained on the board.

Day 3 -

The day was devoted for another important aspect of Grammar - Tenses. Tenses have always been an intriguing topic for English language learners. The topic was discussed from the basic level so that all the misconceptions can be cleared.

Day 4-

Another day with a promising start when the participants attempted sentences on their own regarding the tenses. It was also discussed as to how regulas practice will give confidence and clarity. All the 12 forms of tenses were elaborated in a very intelligible way. Assignments were shared on software.

Day 5 -

On this day redundancy in English language was discussed. The focus was on how at times we use faulty language and what is the correct use in it. The whole exercise was explained through illustrations and examples. For e.g. while a person gives his introduction - He says - Myself Anil. This word Myself is an incorrect way of giving an introduction. Instead the right or correct way is - My name is Anil 'or' I am Anil. Some other aspects such as the use of singular and plural subjects was also discussed in a very lucid manner. These concepts are important in colloquial language.

Scanned with OKEN Scanner

Day 6 & 7

Another important aspect of any language is the knowledge of vocabulary. A person can have command over grammar but if his vocabulary is not up to the mark or rich. And in order to make vocabulary easy the technique of GRASP has to be employed.

In this the abbreviation stands for

G - Group of words, R - Root of a word, A - Association S - Making sentences, P - Knowing the parts of speech This is just a method and not a conventional or proven rule. These elements do not work in isolation. Every part compliments the other. To recognize and remember a word we need to practice a lot as already said that language acquisition at this age is not at all easy Using Mnemonics - (An expression intended to help you remember things and words) is another useful technique to give words some concrete expressions or associating them with certain objects

Day 8 -

Another exhaustive session based on Grammar.

Scanned with OKEN Scanner

Few intricasies based on grammar. How to make words plural out of singular and how prefixes and suffixes can bring change in a word. The changes that will certainly make English learning more fun and interesting. The day was completed with an exercise where topics to each faculty was given and were told to speak out - The process of Elocution. As we know that language learning is a practical process and the more you practice, the more you become fluent

Day 9 & 10

The final days of workshop in which we discussed some other nuances of the language and no matter how many workshops we may attend but if we do not keep it regular we will lose touch with this language. On the closing day of the workshop Dr. Govind Gandha addressed the faculty members and reiterated on the relevance and importance of such workshops and how this process will go on in the near future. At the end an assessment process was carried out to reach the culmination point.

Scanned with OKEN Scanner

महाविद्यालय में "अचानक" एक अनूठा प्रयोग

छात्रों में रचनात्मक सोच एवं तार्किक निर्णय क्षमता उत्पन्न करने के उद्देश्य से नई शिक्षा नीति में नवाचार पर विशेष जोर दिया गया है। शिक्षा नीति में उल्लेखित नवाचार के क्रियान्वयन हेतु महाविद्यालय में दिनांक 02/12/2021 को प्राचार्य डॉ. गोविन्द गन्धेजी द्वारा एक अनूठा प्रयोग किया गया, जिसमें महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों के मध्य "अचानक" नामक एक एक्टिविटी कराई गई जिसके अंतर्गत एक तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन करना था। भाषण प्रतियोगिता के आयोजन के लिए महाविद्यालय के प्राध्यापकों को चिट के माध्यम से अलग-अलग भूमिकाएँ एवं दायित्व सौंपे गए, जैसे मुख्य अतिथि, अध्यक्षता, आयोजन समिति, निर्णायक, पर्यवेक्षक एवं प्रतिभागी।

तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता के विषय इस प्रकार थे - स्व अनुशासन, समय प्रबंधन, महामारी - आपदा एवं अवसर, आजादी का अमृत महोत्सव, स्वाध्याय एवं संयुक्त परिवार।

कार्यक्रम के आरंभ में आयोजन समिति के सदस्य डॉ. अंजलि शाह एवं श्री चन्द्रशेखर शर्मा द्वारा आयोजन की समस्त व्यवस्थाएं जैसे मंच सज्जा, अतिथि स्वागत व्यवस्था, दीप प्रज्ज्वलन व्यवस्था आदि की गयीं।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री अमित जैन ने अपनी भूमिका का निर्वहन किया एवं अध्यक्षता डॉ. स्मृति जैन ने की। सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। अतिथि स्वागत प्राचार्य डॉ. गोविन्द्र गन्धे जी ने किया। निर्णायक की भूमिका में डॉ. ममता पंड्या एवं श्रीमती सोनल गोधा उपस्थित थी, श्रीमती प्रेरणा नाशिककर द्वारा निर्णायकों का स्वागत किया गया। पर्यवेक्षक के रूप में डॉ. अक्षिता तिवारी एवं डॉ. केतकी त्रिवेदी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती अनुराधा परमार ने किया एवं प्रतियोगिता के नियम बताए।

भाषण प्रतियोगिता में प्रथम प्रतिभागी के रूप में डॉ. अनिता अग्रवाल ने संयुक्त परिवार विषय पर अपने विचार प्रकट किए उन्होंने बताया कि बढ़ते हुए नगरीकरण एवं औद्योगिकरण ने परिवारों को बांट दिया है परंतु संयुक्त परिवार का अपना महत्त्व है।

इसके पश्चात् डॉ. जया परिहार ने समय प्रबंधन पर अपना भाषण प्रस्तुत किया एवं बताया कि प्रत्येक व्यक्ति चाहे वह अमीर हो या गरीब सभी को समान समय मिलता है बस जरूरत है समय सारणी बनाकर कार्य करने की। समय सारणी के अनुसार कार्य करके ही समस्त कार्यों को सुचारू रूप से किया जा सकता है।

तृतीय प्रतिभागी के रूप में डॉ. शीतल कुमार शर्मा का विषय स्वाध्याय था जिसमें उन्होंने स्वाध्याय का महत्त्व

Scanned with OKEN Scanner

बताते हुए कहा कि वेद, उपनिषद आदि सभी स्वाध्याय के मार्ग से ही सुरक्षित हैं। रामायण, गीता का अनुसरण करने वाले स्वाध्याय के माध्यम से ही ज्ञान की धुंधें आम लोगों तक पहुँचाते हैं।

इसके पश्चात् डॉ. नितिशा तोषनीवाल ने स्व-अनुशासन विषय पर अपने विचार रखे। स्व-अनुशासन का अर्थ बताते हुए उन्होंने कहा स्व-अनुशासन अर्थात् विशिष्ट आसन में रहना, खुद को स्ट्रॉंग करना, जिसके लिए स्व अनुशासन आवश्यक है। सभी महापुरुषों ने पहले स्वयं को अनुशासित किया तभी सभी ने उनका अनुसरण किया अतः पहले स्वयं को अनुशासित करें।

अगले प्रतिभागी के रूप में श्री सुधीर कुमार सोलंकी ने अपने विचार प्रस्तुत किए उनका विषय था आजादी का अमृत महोत्सव, उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी जी का विज़न है कि भारत किस प्रकार आगे बढ़े। जो आजादी हमें प्राप्त हुई है उसमें हम किस तरह तरक्की करें। इसी उद्देश्य से 75 सप्ताह का आजादी महोत्सव शुरू किया गया है, उनकी मुख्य आकांक्षा देश के सभी नागरिकों को आपस में जोड़ना है।

अंतिम प्रतिभागी के रूप में डॉ. मीनल वनवट ने महामारी - आपदा एवं अवसर विषय पर अपने विचारों की अभिव्यक्ति की। उन्होंने बताया कि किस प्रकार महामारी ने समाज को क्षति पहुँचाई है परन्तु इस आपदा

को यदि अवसर की तरह लें तो महामारी की वजह से परिवार समीप आए हैं एवं देश में कई स्टार्टअप्स चालू हुए हैं जीविका के लिए व्यक्ति ने नए नए प्रयोग किए हैं।

सभी प्रतिभागियों की प्रस्तुति के पश्चात् मुख्य अतिथि डॉ अमित जैन ने अपने उद्बोधन से सभी का मार्गदर्शन किया। सर्वप्रथम उन्होंने प्राचार्य महोदय को बधाई दी कि उन्होंने इतने महत्त्वपूर्ण विषयों का चयन किया तथा कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताओं से सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों का विकास होता है। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत इस प्रकार की गतिविधियां सार्थक एवं प्रासंगिक हैं।

अध्यक्षीय उद्बोधन डॉ॰ स्मृति जैन द्वारा दिया गया जिसमें उन्होंने सभी प्रतिभागियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी एवं कहा इस प्रकार के आयोजन महाविद्यालय में होते रहना चाहिए।

अतिथियों के उद्बोधन के पश्चात् प्राचार्य डॉ. गोविन्द गन्धे जी ने सर्वप्रथम तो अचानक कार्यक्रम के सफलतापूर्ण संयोजन के लिए सभी को बधाई देते हुए कहा कि सभी प्राध्यापकों ने बहुत ही अच्छे तरीके से अपनी भूमिकाओं का निर्वहन किया एवं इतने कम समय में बिना किसी पूर्व सूचना के इस कार्यक्रम का आयोजन किया। उन्होंने बताया कि नई शिक्षा नीति का उद्देश्य ही विद्यार्थियों में शिक्षा के प्रति रुचि जागृत करना है,

जो कि नवाचार से ही की जा सकती है। विषय को रोचक एवं जानकारीपूर्ण बनाने के लिए नए नए प्रयोग करना आवश्यक है उसी कड़ी में यह एक प्रयोग था, इसी प्रकार के प्रयोग प्राध्यापकों को अपने विद्यार्थियों के मध्य करवाने होंगे। केवल विषय का ज्ञान होना ही पर्याप्त नहीं है विषय के अतिरिक्त अन्य समसामयिक विषयों की जानकारी भी छात्रों को देनी होगी। उन्होंने कहा कि शिक्षण प्रणाली में बदलाव लाने की आवश्यकता है पारंपरिक शिक्षण के साथ-साथ व्यवहारिक ज्ञान देने की आवश्यकता है।

इसके पश्चात् श्री अमित जैन द्वारा प्रतियोगिता के निर्णय की घोषणा की गई।

भाषण प्रतियोगिता में डॉ. नितिशा तोषनीवाल ने प्रथम, सुधीर कुमार सोलंकी ने द्वितीय एवं डॉ. शीतल कुमार शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

अंत में श्री चन्द्रशेखर शर्मा द्वारा सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती अनुराधा परमार द्वारा किया गया।

"एक सर्वश्रेष्ठ पुस्तक 100 अच्छे मित्र के बराबर है. लेकिन एक श्रेष्ठ मित्र पुस्तकालय के बराबर है।"

अचानक - तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता

क्र.	कार्यक्रम प्रभार	प्राध्यापकों के नाम
1.	मुख्य अतिथि	श्री अमित जैन
2.	अध्यक्ष	डॉ. स्मृति जैन
3.	सूत्र - संचालन	श्रीमती अनुराधा परमार
4.	निर्णायक	1. डॉ. ममता पण्ड्या 2. श्रीमती सोनल गोधा
5.	आयोजन समिति सदस्य	1. डॉ. अंजली शाह 2. श्री सी.एस. शर्मा
6.	प्रतिभागी (विषय) संयुक्त परिवार स्वाध्याय महामारी आजादी का अमृतमहो. स्वानुशासन	1. डॉ. मनीषा अग्रवाल 2. श्री सुधीर सोलंकी 3. डॉ. मीनल वनवट 4. डॉ. शीतल कुमार शर्मा 5. डॉ. निशिता तापनीवाल
7.	पर्यवेक्षक	1. डॉ. अक्षिता तिवारी 2. डॉ. केतकी त्रिवेदी

प्राचार्य

"अचानक" – प्राध्यापकों के अभिमत

नवाचार एवं नवप्रवर्तन की प्रक्रिया मे महाविद्यालय में एक अभिनव एवं रोचक कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम को हम भूमिका निर्वहन की संज्ञा दे सकते हैं। इसमें महाविद्यालय के प्रत्येक शिक्षक को एक विशिष्ट भूमिका जो कि पर्ची निकाल कर निष्पक्ष तरीके से दी गई थी। प्रत्येक शिक्षक प्राप्त हुई भूमिका का निर्वहन उसी अंदाज मे करेगा जिसकी हम अपेक्षा कर सकते हैं सभी ने अपनी-अपनी भूमिकाओं के साथ संपूर्ण न्याय किया तथा उपरोक्त कार्यक्रम को सफल बनाया। भूमिकाओं के प्रकार में- मुख्य अतिथि, अध्यक्ष, सूत्र संचालक, आयोजन समिति सदस्य, प्रतिभागी निर्णायक, पर्यवेक्षक आदि थे।

संपूर्ण कार्यक्रम उसी तरह संचालित हुआ जैसे कि कोई अन्य औपचारिक कार्यक्रम होता है। इस संपूर्ण कार्यक्रम की परिकल्पना एवं संयोजन महाविद्यालय के ऊर्जावान प्राचार्य डॉ. गोविंद गंधे सर ने की। ऐसे कार्यक्रम और गतिविधियाँ आगे भी संचालित एवं आयोजित होनी चाहिये क्योंकि इससे संस्था में एकता तथा सामूहिक कार्य करने की प्रेरणा प्राप्त होती है।

अमित जैन
मुख्य अतिथि की भूमिका मे

नवोन्मेष

कल दिनांक 2.12.21 को आयोजित कार्यक्रम से हम अपनी प्रतिभा को पहचान सके, अति सराहनीय प्रयास, भविष्य मे इस प्रकार के प्रयोग हो ताकि हम अपने आप को जान सके और विद्यार्थीयो को लाभ पहुचा सके।

चन्द्रशेखर शर्मा
आयोजन समिति सदस्य

दिनांक 2/12/2021 को आयोजित कार्यक्रम में सभी प्राध्यापकों के द्वारा 'अचानक' कार्यक्रम में अपना पूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम अति सराहनीय रहा। भविष्य में विद्यार्थियों के द्वारा कार्यक्रमों में इसका लाभ मिल सके, एसा प्रयास मेरा द्वारा करवाया जाएगा।

डॉ. ममता पण्ड्या
निर्णायक

महाविद्यालय प्राचार्य द्वारा नवीन नवाचार 'अचानक' कार्यक्रम 2 दिसम्बर 2021 को किया गया जिसमे मुझे प्रतियोगी का रोल मिला, तात्कालिन भाषण प्रतियोगिता मे 3 मिनिट मे मुझे "महामारी - आपदा या अवसर" विषय पर बोलना था इस तरह का मेरा पहला अनुभव था जिसे मैने पूरे मनोयोग से किया, और सभी ने इस तरह के कार्यक्रम की सराहना की. यह कार्यक्रम पहली बार महाविद्यालय मे हुआ इस तरह का प्रयोग हम कक्षाओ मे भी कर सकेगे, प्राचार्य डा० गोविन्द गंधे

घर का धन्यवाद तथा इसी तरह के कार्यक्रम से हम सभी ~~को~~में इस तरह से नई ऊर्जा का संचार कराते रहें।

डा० मीनल वनवट

प्रतिभागी

महाविद्यालय में कल दिनांक 2-12-21 को "अचानक" ही "अचानक" कार्यक्रम की घोषणा प्राचार्य महोदय द्वारा की गई। जिसमें पर्ची बनाकर रखी थी और सभी शिक्षकों को एक-2 पर्ची उठाना था। मेरी पर्ची जब खुली तो उसमें मुझे "अध्यक्ष" का रोल अदा करना था। वास्तव में यह अनुभव पहली बार हुआ कि हमें भी इस तरह से सोचना चाहिये। यह प्रयोग अचानक से होने पर भी मज़ेदार और प्रेरणादायक रहा। इसी तरह के प्रयोग हम अपनी कक्षाओं में भी करेंगे।

डॉ. स्मृति जैन

भूमिका - अध्यक्ष

लोकमान्य तिलक विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय मे दिनांक 2/12/2021 को 'अचानक' कार्यक्रम की घोषणा प्राचार्य द्वारा अचानक की गयी इस कार्यक्रम के अन्तर्गत सभी सहा. प्राध्यापकों

को विभिन्न भूमिकाएँ दी गई जैसे - मुख्य अतिथि, निर्णायक, प्रवक्ता आदि मुझे प्रवक्ता की भूमिका मिली साथ ही मेरे साथ जितने प्रतिभागी थे उन सभी को उसी समय एक-एक विषय पर अर्थात तत्कालिक भाषण हेतु विषय दिये गये यह प्राचार्य महोदय के द्वारा किया गया प्रयास बहुत ही सराहनीय रहा तथा इसे संस्था के सभी सहा. प्राध्यापकों मे एक नई उर्जा तथा सकारात्मकता का भाव उत्पन्न हुआ तथा सभी ने इसी तरह के कार्यक्रम को संस्था मे होते रहने का प्राचार्य से निवेदन किया।

डॉ. नितिशा तोषनीवाल
भूमिका - प्रतिभागी

हमारे महाविद्यालय में प्राचार्य महोदय द्वारा दिनांक-०२।।२।२ को सभी प्राध्यपकों के मध्य अचानक एक भूमिका प्रधान कार्यक्रम रखा गया जिसमें सभी प्राध्यापकगण को चिट के द्वारा विभिन्न भूमिकाएं दी गई निरवहन करने हेतु दी गई जैसे मुख्य अतिथि, अध्यक्ष सूत्र संचालन, तात्कालिक भाषण के प्रतिभागी आदि।प्राचार्य महोदय के द्वारा यह प्रयास बहुत ही सराहनीय रहा है और सभी शिक्षकों के द्वारा अपनी भूमिका

Scanned with OKEN Scanner

पूर्ण रूप से निरवहन की गई। मेरे द्वारा पर्यवेक्षक की भूमिका का प्रयास किया गया था। सर के द्वारा जो प्रयास किया गया है वैसा ही प्रयास हम हमारे विद्यार्थीयों के मध्य भी करेंगे जिससे सभी छात्रों में तत्कालिक स्थिति को ग्रहण करने की आदत बनी रहे। इस कार्यक्रम के दौरान सभी शिक्षकों का Positive attitude रहा हो और सबने एकजुट होकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

डॉ. अक्षिता तिवारी
भूमिका - पर्यवेक्षक

मतविद्यालय में शिक्षकों के सार्वांगीण विकास की दिशा में एक नई पहल की गई। जिसका शीर्षक दिया गया "अचानक", "अचानक" का आयोजन भी अचानक ही किया गया, बिना पूर्व भूमिका के आयोजित कार्यक्रम की सभी ने सराहना की।

सभी प्राध्यापकों ने उत्साहपूर्वक इसमें सहभागिता की। अल्पावधि में अपने कार्य को रूपरेखा बनाकर, सभी ने कार्यक्रम सफल बनाने हेतु प्रयास किये।

डॉ. केतकी त्रिवेदी
भूमिका - पर्यवेक्षक

Scanned with OKEN Scanner

कार्यक्रम 'अचानक'

प्रतिक्रियायें .....

लोकमान्य तिलक विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय मे आयोजित कार्यक्रम 'अचानक' के अंतर्गत मेरी भुमिका संचालन की रही। हमे पहले से कार्यक्रम की जानकारी नही थी और ना ही हमारी भुमिका कार्यक्रम में क्या रहेगी, इसकी जानकारी भी हमे नही थी। अचानक से ही हमे हमारी भुमिका बताई गई। की आपको कार्यक्रम 'अचानक' मे संचालन करना है। संचालन करने के बाद मेरा अनुभव बहुत अच्छा रहा। कि हमे अचानक से कोई जिम्मेदारी मिलती है, और हम उस कार्य को आत्मविश्वास के साथ सफलतापुर्वक कर सकते है। हमारा आत्मविश्वास बढ़ा। और हमे बहुत कुछ सिखने को मिला।

श्रीमति अनुराधा परमार
सहा. प्राध्यापिका (गणित)
भुमिका (संचालन)

तत्कालीन भाषण प्रतियोगिता के अंतर्गत किया गया आयोजन बहुत ही प्रतिष्ठावान रहा। इससे हमे कभी भी किसी भी भूमिका मे उपस्थित होना पड़े तो हमेशा हमारा माइन्ड सेट होना चाहिए। अर्थात हम सब कुछ कर सकते है ऐसा अचानक प्रतियोगिता से हमे सीखने को मिला इसमे

मेरी भूमिका एक विद्यार्थी के रुप मे थी। शिक्षक से अचानक विद्यार्थी बनना अच्छा लगा।

डॉ. जया परिहार
सहा. प्राध्यापक रसायनशास्त्र
लो. ति. महाविद्यालय उज्जैन

प्रतिभागी के रुप में अचानक कार्यक्रम में शामिल होना एक सुखद अनुभव रहा। सभी शामिल लोगों ने उत्साह पूर्वक अपनी भूमिकाओं को निभाया।

डॉ. शीतल कुमार शर्मा
स. प्राध्यापक, वाणिज्य
लो. ति. महाविद्यालय, उज्जैन

तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता 'अचानक' में 'निर्णायक' की भूमिका निभाना अत्यंत सुखद अनुभव रहा। निर्णायक के रुप में प्रतिभागी शिक्षक को सुनना एवं निर्णय करना एवं संपूर्ण कार्यक्रम का संयोजन अविस्मयकारी रहेगा।

श्रीमती सोनल गोधा
सहा. प्राध्यापक (MB)
लो. ति. महाविद्यालय, उज्जैन

कॉमर्स लैब - एक अनूठी पहल

लोकमान्य तिलक विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय उज्जैन में "कॉमर्स क्लब" के अंतर्गत कॉमर्स लैब की कार्यशाला का आयोजन 8 दिसम्बर 2021 को किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डा. गोविन्द गन्धे द्वारा बताया गया कि वाणिज्य विषय में सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ प्रायोगिक ज्ञान देने की संकल्पना को पूरा करने के उद्देश्य से इस कार्यशाला का आयोजन किया गया है। इस तरह की कामर्स लैब उज्जैन संभाग में पहली बार बनाई गई है। इस कार्यशाला मे बैंक की गतिविधियों की प्रायोगिक जानकारी डा. मीनल वनवट ने दी जिसमें विद्यार्थियों को चेक भरना, Cash withdraw Slip / Forms भरना तथा Cash Deposit Slip / Pay in slip भरना सिखाया गया। विद्यार्थियो को बताया गया कि इन फॉर्म्स को भरते समय कौन-कौन सी सावधानियों को ध्यान में रखना चाहिए। इन Forms को भरते समय अगर कोई गलती होती है या over writing होती है तो इस का क्या असर होता है यह भी विद्यार्थियों को समझाया गया। विद्यार्थियों

Scanned with OKEN Scanner

ने अनेक प्रश्नो के माध्यम से अपनी जिज्ञासा प्रकट की, वाणिज्य विषय के सभी प्राध्यापको डॉ. अमिता तिवारी, डॉ. केतकी त्रिवेदी, डॉ. नितीषा तोषनिवाल, डॉ. स्मृती जैन, डॉ. ममता पण्ड्या ने विद्यार्थियों को इन slip / forms को भरना सिखाया गया। कार्यशाला मे 50 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया।

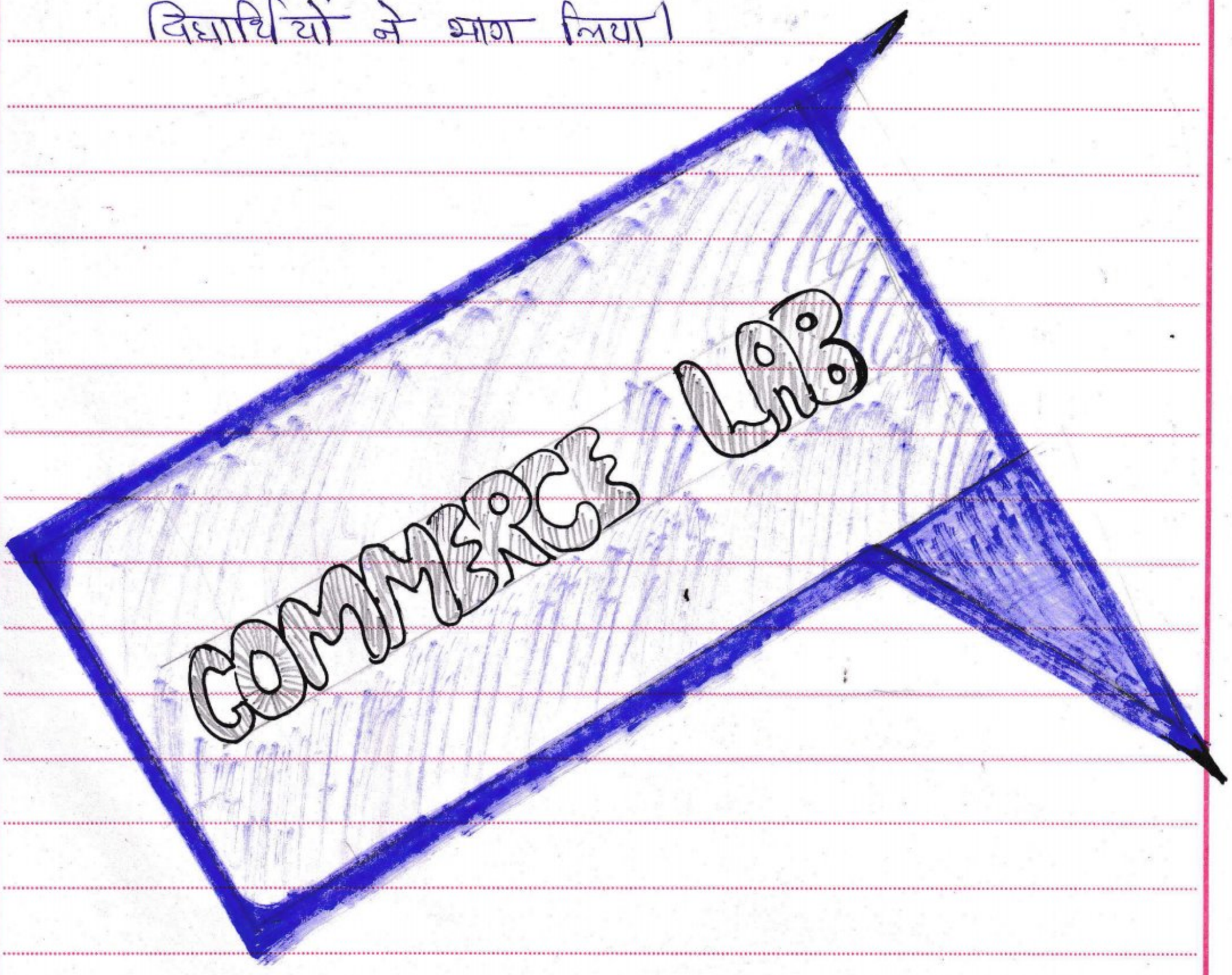

"जैविक खाद एवं मृदा परीक्षण"

महाविद्यालय में सत्र 2017-18 में वर्मिकम्पोस्ट इकाई एवं नेचरल कम्पोस्ट इकाई का निर्माण किया गया, जिसमें महाविद्यालय में निकलने वाले जैविक अपशिष्ट जैसे - पेड़ पौधों की पत्तियों का उपयोग कर खाद का निर्माण शुरू किया गया। वर्मिकम्पोस्ट इकाई में केचुओं के माध्यम से तथा नेचरल कम्पोस्ट इकाई में प्राकृतिक तरीके से पत्तियों को सरल पदार्थों में अर्थात् पोषक तत्वों में अपघटित कर खाद का निर्माण किया जाता है। इन दोनों खाद की उर्वरकता को जाँचने एवं पेड पौधों एवं मृदा की गुणवत्ता पर जैविक खाद का प्रभाव दर्शाने के उद्देश्य से एक प्रयोग किया गया। यह प्रयोग चार बारहमासी के पौधों पर किया गया। यह प्रयोग 90 दिन तक की अवधि के लिए किया गया। चारों पौधों में 15-15 दिन के अन्तर से वर्मिकम्पोस्ट, नेचरल कम्पोस्ट, केमिकल उर्वरक क्रमशः तीन पौधों में डाले गए तथा एक पौधे को बिना किसी खाद के रखा गया। प्रत्येक पौधे में समान मात्रा में पानी दिया गया एवं एक समान वातावरण में रखा गया। प्रत्येक 15 दिन में पौधों की वृद्धि जैसे - लम्बाई, शाखाओं की संख्या, एवं पुष्पों की संख्या को जाँचा गया एवं अन्त में मृदा की गुणवत्ता जांचने हेतु मृदा परिक्षण, सॉइल टेस्टिंग लेब, उज्जैन

द्वारा करवाया गया।

90 दिन के प्रयोग के दौरान यह पाया गया कि जिस पौधे में वर्मिकम्पोस्ट का प्रयोग किया गया था उसकी वृद्धि सबसे अधिक हुई एवं पुष्पों की संख्या भी सबसे अधिक रही। नेचरल खाद वाले पौधे में भी वृद्धि एवं पुष्पों की संख्या केमिकल खाद व प्लेन मिट्टी वाले पौधे से अधिक थी। मृदा परीक्षण कि रिपोर्ट के अनुसार वर्मिकम्पोस्ट, नेचरल कम्पोस्ट एवं रासायनिक उर्वरक के उपयोग के पश्चात् मृदा में पोषक तत्वों की काफी वृद्धि हुई एवं जो पोषक तत्व मृदा में उपस्थित नहीं थे वे भी इन खाद के उपयोग के पश्चात् मृदा में पाए गए।

उपरोक्त प्रयोग के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला गया वर्मिकम्पोस्ट पौधों की वृद्धि के लिए सर्वाधिक उपयुक्त है क्योंकि वर्मिकम्पोस्ट से मिलने वाले पोषक तत्व मिट्टी में लंबे समय तक बने रहते हैं एवं उनमें म्यूकस तथा माइक्रो ऑरगेनिज्म पाए जाने की वजह से मिट्टी से जुड़ जाते हैं, पानी के साथ बहते नहीं हैं। तथा धीरे-धीरे पौधों को प्राप्त होते रहते हैं, इसके विपरीत केमिकल खाद से मिलने वाले पोषक तत्व पौधों को एकदम से प्राप्त तो होते हैं परन्तु अतिरिक्त पोषक तत्व पानी के साथ बह जाते हैं एवं मृदा की गुणवत्ता में किसी प्रकार से सहायक नहीं होते हैं।

अतः पौधों की वृद्धि एवं मृदा की

Scanned with OKEN Scanner

गुणवत्ता बढ़ाने हेतु रासायनिक खाद की अपेक्षा वर्मिकम्पोस्ट एवं मेचरल कम्पोस्ट का प्रयोग किया जाना उत्तम होगा।

'मेहनत रंग लायी'

नहीं बनाया किसी ने टाटा, बिरला, अंबानी,
खुद ही बने है सब अपने सपने के सौदागर।
राह नहीं थी बनी बनाई, ना ही है कोई बड़ा जानी,
सब ने करी है कड़ी मेहनत, फिर है मेहनत रंग लाई।
एक पल में नहीं बनता सब कुछ,
पल पल मेहनत करके सब ने मंजिल है पाई।
कल क्या होगा ना ध्यान दिया, बस काम किया,
राह में मुश्किलें उनके भी आई।
मुश्किल था मंजिल को पाना, बना दिया रास्ता,
चल दिए बिना किए किसी की परवाह।
सुना है उन्होंने भी ताना-बाना,
लेकिन फितुर चढ़ा था कुछ पाने का।
तोड़ दिया सब का भ्रम, कर दिया सपनों को साकार,
ताना देने वालो ने ही हँसकर सत्कार किया।

उच्चशिक्षा विभाग और विक्रमविश्वविद्यालय के आदेश अनुसार 19.12.21 और 20.12.21 को महाविद्यालय स्तर पर युवा उत्सव का आयोजन किया गया। रंगोली, मिमिक्री, मूकाभिनय, वाद-विवाद, वक्तृता एकल नृत्य, सुगम गायन प्रतियोगिताओं की सूचना विद्यार्थियों को दी गई। लेकिन कोरोना महामारी के बढ़ते प्रकोप के कारण युवाओं का उत्साह कुछ ज्यादा नजर नहीं आया। फिर भी कुछ विद्यार्थी जो महाविद्यालय में आ रहे थे उन्होंने ही इस उत्सव के प्रतिभागी बनकर प्रतियोगिताओं को पूर्ण किया।

रंगोली प्रतियोगिता में 08 छात्राओं ने भाग लिया जिसमें प्रथम निधि राजपूत B.Sc. I year, द्वितीय खुशी वानखेडे B.Com I year रही। वाद-विवाद प्रतियोगिता में 10 विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की, जिसमें प्रथम पक्ष में कृष्णकांत निगम B.Com I year, प्रथम विपक्ष में साक्षी शर्मा B.Com I year, द्वितीय पक्ष में पूजा चौखडिया B.Com II year, द्वितीय विपक्ष में ओज चतुर्वेदी B.B.A-II year रहे। इसी प्रकार पोस्टर निर्माण में 12 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिसमें खुशी वानखेडे B.Com I year प्रथम व पियुषा परमार B.Sc. I year द्वितीय स्थान पर रही। एकल नृत्य प्रतियोगिता में 04 छात्राएँ सम्मिलित हुई जिसमें प्रथम स्थान खुशी वानखेडे को दिया गया।

Scanned with OKEN Scanner

निर्णायक के रूप में महाविद्यालय के सहा. प्राध्यापकों ने अपनी भूमिका निभाई। प्राचार्य डा. गोविन्द गन्धे सर ने विद्यार्थियों का उत्साह वर्धन किया तथा जिला स्तर पर जाने के लिए शुभकामनाएँ दी।

संपूर्ण कार्यक्रम सांस्कृतिक समिति सदस्य डॉ. अनिता अग्रवाल, डॉ. ममता पंड्या एवं श्रीमती सोनल गोचा द्वारा सम्पन्न कराया गया।

"सार्थक और प्रभावी उपदेश
सिर्फ वह है,
जो वाणी से नहीं अपने
आचरण से प्रस्तुत किया
जाता है।"

जिला स्तरीय युवा उत्सव 2021-22. **नवोन्मेष**

दिनांक 07.01.2022

उच्चशिक्षा विभाग एवं विक्रम विश्वविद्यालय के आदेशानुसार लोकमान्य तिलक विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय में जिला स्तरीय युवा उत्सव का शुभारंभ हुआ। महाविद्यालय में मूकाभिनय एवं मिमिक्री प्रतियोगिता का आयोजन उज्जैन जिले के महाविद्यालयों की सहभागिता के साथ संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. प्रशांत पुराणिक उपस्थित थे। आपने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि युवा उत्सव के अंतर्गत होने वाले कार्यक्रम एक ओर जहाँ हमें अपनी संस्कृति से से जोड़ते है वहीं दूसरी ओर उभरती प्रतिभाओं को अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने एवं आगे बढ़ने के लिए एक प्रभावी अवसर उपलब्ध कराते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए लोकमान्य तिलक सांस्कृतिक न्यास के कार्यपालन अधिकारी श्री गिरीश जी भाटेराव ने कहा कि संस्कृति के साथ जुड़ने से ही शिक्षा समग्रता को प्राप्त होती है। व्यक्ति को शिक्षित होने के साथ-साथ संस्कारित होना भी आवश्यक है, जो कम कलायें करती हैं।

कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. अनिता अग्रवाल ने बताया कि जिलास्तरीय मूकाभिनय प्रतियोगिता में जिलें के महाविद्यालयों की 5 टीमों ने सहभागिता की। इसी प्रकार मिमिक्री में भी 5 महाविद्यालयों

के छात्र सम्मीलित हुए।

प्रतियोगिता का निर्णय इस प्रकार रहा -

विधा - मिमिक्री

प्रथम	विक्रम विश्वविद्यालय	पवन कुमार रावल
द्वितीय	फ्युचर विजन कालेज	त्रषी योगी
तृतीय	पीजी बी टी	चेतन राजोदिया

विधा - मूकाभिनय

प्रथम .	शेषशायी कालेज, नागदा
द्वितीय :	फ्युचर विजन कालेज
तृतीय .	भारतीय महाविद्यालय

कार्यक्रम में निर्णायक के रुप में श्रीमान प्रकाश जी देशमुख, वरिष्ठ नाट्य निदेशक, श्रीमान राजेन्द्र जी चावड़ा वरिष्ठ रंगकर्मी एवं नाट्य निदेशक और श्रीमान दुर्गेश बाली वरिष्ठ रंगकर्मी एवं नाट्य निदेशक उपस्थित रहे। निर्णायको का स्वागत श्री सुधीरकुमार सोलंकी, श्री योगेश मिश्रा एवं डा. शीतलकुमार शर्मा ने किया।

कार्यक्रम का संचालन डा. ममता पंड्या ने किया। अतिथि परिचय एवं स्वागत प्राचार्य द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन श्रीमती सोनल गोधा ने माना।

Scanned with OKEN Scanner

वाणिज्य विभाग का औद्योगिक दौरा

लोकमान्य तिलक विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा 11/01/2022 को वाणिज्य संकाय के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के विद्यार्थियो को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. गोविंद गन्धे के मार्गदर्शन में शैक्षणिक भ्रमण हेतु "उज्जैन सहकारी दुग्ध संघ मर्यादित" में औद्योगिक दौरा किया गया। औद्योगिक दौरे का मुख्य उद्देश्य छात्रो को व्यवहारिक कार्य एवं वातावरण के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी देना एवं विद्यार्थियो को नई तकनीको के बारे में जागरूक करना है।

इस भ्रमण का नेतृत्व वाणिज्य विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ. अंशिता तिवारी ने किया तथा उनका सहयोग संकाय सदस्य डॉ. केतकी त्रिवेदी, डॉ. शीतल कुमार शर्मा, डॉ. मीनल वनवट, डॉ. स्मृति जैन, डॉ. नितिषा तोषनीवाल, डॉ. ममता पंड्या के द्वारा किया गया।

औद्योगिक दौरे में 28 विद्यार्थियो ने भागीदारी की कोविड-19 के नियमो के तहत विद्यार्थियो को दो समूहों में विभाजित किया गया और डेयरी उद्योग के सीईओ श्री डी. पी. सिंह की अध्यक्षता में डेयरी के स्टाफ सदस्य श्री शुभम जी एवं श्री मयंक जी के द्वारा

विद्यार्थियो को क्षेत्र संचालन, संयंत्र संचालन, पैकेजिंग, मार्केटिंग आदि गतिविधियो के बारे में जानकारी दीगई। आपके द्वारा विद्यार्थियो को बताया गया कि सॉंची दुग्ध संघ उज्जैन के मक्सी रोड़ स्थित मुख्य डेयरी प्लांट है। जिसकी स्थापना 1982 में हुई थी यह 6 जिलों को कवर करता है और इसके संचालन के क्षेत्र में 5 दुग्ध चिलर सेंटर है। इस डेयरी प्लांट की प्रतिदिन की क्षमता 2.50 लाख लीटर है।

डेयरी सहकारी की त्रिस्तरीय रचना की जानकारी देते हुए बताया कि क्षेत्र संचालन के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रो के डेयरी विकास की गतिविधियों में दूध की क्षमता वाले गांवों का सर्वेक्षण करना, उनसे दूध एकत्रित करना, प्रशिक्षण करना, तकनीकी इनपुट का समर्थन करना आदि है। संयत्र संचालन गतिविधियों में चिलींग सेंटर से डेरी पर दूध की प्राप्ति के साथ शुरु होती है और दूध का प्रशिक्षण दूध का पाश्चुरीकृत, दूध पैकिंग आदि कार्य किये जाते है।

संयंत्र में विभिन्न उत्पादो के निर्माण को दिखाने हेतु प्लांट के विभिन्न हिस्सो का भ्रमण कराया गया जहां पनीर, घी बनाने की प्रक्रिया, दूध का पाश्चुरीकरण, श्रीखण्ड, लस्सी, पेड़ा मठ्ठा.

सुगंधित दूध और अन्य डेयरी उत्पाद का निर्माण किया जाता है।
उन्होने विभिन्न ग्रामीण मार्गो से दूध का संग्रह शुरु करने से लेकर सांची दूध और अन्य डेयरी उत्पादो को विभिन्न सांची बिंदुओ पर भेजने तक की पूरी प्रक्रिया के बारे में संक्षेप में बताया।
विद्यार्थियो के सभी जिज्ञासा पूर्ण प्रश्नो का उचित उत्तर के द्वारा संतुष्ट किया गया।
इस तरह यह औद्योगिक दौरा बहुत ही ज्ञानवर्धक एवं रोमांचित रहा है।

"औपचारिक शिक्षा आपका जीवन बना देगी और आधुनिक शिक्षा आपका भाग्य बना देगी।"

Scanned with OKEN Scanner

छात्रा सम्मेलन 2021-2022

लोकमान्य तिलक विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय में दिनांक 12/1/2022 स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर प्राचार्य महोदय डॉ. गोविन्द गन्धेजी के मार्गदर्शन में छात्रा सम्मेलन आयोजित किया गया। जिसका संयोजन डॉ. नितिशा तोषनीवाल एवं डॉ. केतकी त्रिवेदी ने किया। इस सम्मेलन के अंतर्गत महाविद्यालय की छात्राओं के लिए विभिन्न गतिविधियां संपन्न कराई गई जैसे मैदानी खेल, बौद्धिक प्रतियोगिता, संवाद चर्चा एवं उद्बोधन आदि। छात्राओं ने बड़े उत्साह से सभी प्रतियोगिताओं में भाग लिया। मैदानी खेलों मे लगोरी एवं डॉज बॉल में पूजा चौरवंडीया एवं टीम तथा वॉलीबाल में लक्ष्मी सांबडे एवं टीम विजेता रही। 100 मीटर दौड़ में प्रथम - पूजा यादव, द्वितीय - पूजा चौरवंडीया तथा तृतीय - पूर्वा चौहान रही। क्रीडा प्रतियोगिताएं क्रीडा अधिकारी कु. दर्शनी त्रिपाठी एवं क्रीड़ा समिति के मार्गदर्शन में संपन्न हुई।

छात्राओं के बौद्धिक स्तर को बढ़ाने के लिए बौद्धिक स्पर्धा के अन्तर्गत तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं ने विभिन्न विषयों जैसे संयुक्त परिवार, महिला सशक्तिकरण, किताबों का महत्व, अमृत महोत्सव जैसे लगभग 15 से 20 विषयों पर

अपने विचार प्रस्तुत किए। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर पूजा यादव, द्वितीय स्थान पर पूजा चौरवंडीया तथा तृतीय स्थान पर साक्षी शर्मा रही।

छात्राओं का मनोबल बढ़ाने एवं उन्हें प्रगति की ओर निरंतर आगे बढ़ते रहने हेतु प्राचार्य डॉ. गोविंद गान्धेजी के द्वारा छात्राओं का मार्गदर्शन किया गया। तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता का निर्णयन डॉ. अपेक्षा तिवारी, डॉ शीतल शर्मा एवं श्री योगेश मिश्रा जी द्वारा किया गया। संचालन डॉ. नितिशा तोषनीवाल एवं आभार डॉ. केतकी त्रिवेदी द्वारा व्यक्त किया गया। समस्त स्टॉफ का आयोजन में पूर्ण सहयोग रहा।

"अशिक्षित को शिक्षा दो,
अज्ञानी को ज्ञान
शिक्षा से ही बन सकता है,
भारत देश महान"

वाणिज्य विषय का फेकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम

24.01.2022 को मातविद्यालय में एक दिवसीय फेकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम का आयोजन वाणिज्य विभाग द्वारा किया गया। वाणिज्य विषय में शोध: पविधि विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता विक्रम विश्वविद्यालय के विद्यार्थी कल्याण संकाय के निवृत्तमान उनहयदन एवं प्रसिद्ध वाणिज्य शिक्षाविद् डॉ. राकेश दण्ड सर थे।

आपने विविध महत्वपूर्ण विषयों पर शोधकार्य प्रारंभ करने एवं उसके संचालन से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया। आपने उद्यमिता एवं नवपुर्वतन, भारतीय सेवा प्रणाली, अर्थशास्त्र इत्यादि क्षेत्रों में शोध कार्य की अत्यधिक आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यक्रम में डॉ. अस्मिता तिवारी, डॉ. केतकी तिवेदी, डॉ. मीनल वनवट, डॉ. मितिशा लोधनीवाल, डॉ. ममता पण्ड्या, डॉ. स्मृति जैन, डॉ. शीतल कुमार शर्मा एवं विषय विशेषज्ञ उपस्थित रहें।

कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन प्राचार्य डॉ. गोविन्द गन्धे ने माना।

दिनांक 17/1/2021 को 'NITYAM FOUNDATION' (National initative for Technical Youth Awarness and Management) द्वारा महिला सशक्तिकरण (women Empowerment) विषय पर online व्याख्यान प्रस्तुत किया। जिसके अंतर्गत महिलाओं के सशक्तिकरण पर जोर देते हुए बताया कि महिलाएं ना सिर्फ आर्थिक बल्कि सामाजिक रूप से भी सशक्त बने। समाज में लैंगिक समानता लाने के लिए भारत में महिला सशक्तिकरण बहुत आवश्यक है। इसी के साथ विचार प्रस्तुत करते हुए मैंने इस बात पर जोर दिया कि समाज महिलाओं की शक्ति को समझें और उन्हें को आत्मनिर्भर और देश व परिवार की शक्ति बनाने के लिए आगे बढ़ने दे। कल्पना चावला, प्रतिमा पाटिल, साइना नेहवाल आदि विख्यात महिलाओं को प्रोत्साहित किया गया। व्याख्यान के इस सत्र में 18 से 20 महिलाओं की उपस्थिति रही। सत्र लगभग 45 मिनट का रहा एवं सत्र के अंत में संस्था सचिव द्वारा आभार ज्ञापित किया गया।

डॉ. नितिशा तोषनीवाल
(सहा. प्राध्यापक)
लोकमान्य तिलक कॉलेज

'Statistical Analysis and it's uses in Research' विषय पर व्याख्यान

विक्रम विश्वविद्यालय के वाणिज्य अध्ययनशाला में दिनांक 18/11/2021 को शोधार्थियों के लिए Research Methodology के अर्न्तगत "Statistical analysis and its uses in Research" पर Online व्याख्यान आयोजित किया गया। इस हेतु लोकमान्य तिलक महाविद्यालय के वाणिज्य संकाय की सहायक प्राध्यापिका डॉ. अक्षता तिवारी को व्याख्यान हेतु आमंत्रित किया गया।

आपके द्वारा अनुसंधान कार्य में शोधार्थी, सांख्यकी विश्लेषण का किस प्रकार प्रयोग करें, उसकी परिकल्पना कैसे बनाएं, उनका लेवल ऑफ सिग्निफिकेंट कैसा हो, सांख्यकी टेस्ट की गणना आदि को दैनिक जीवन एवं रिसर्च कार्य के उदाहरण के द्वारा विस्तृत रूप से मार्गदर्शित किया गया। आपके द्वारा सभी शोधार्थियो के प्रश्नों का समाधान किया गया। वाणिज्य अध्ययनशाला के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. शैलेंद्र भारल जी भी व्याख्यान उपस्थित थे।

Scanned with OKEN Scanner

मध्यप्रदेश लेखक संघ उज्जैन के तत्वावधान में डॉ. देवेन्द्र जोशी के निखिल पब्लिशर्स आगरा से प्रकाशित व्यंग्य संग्रह "लोकतंत्र मेरे बाप की बपौती" का लोकार्पण किया गया।

इस व्यंग्य पुस्तक की समीक्षा डॉ. अनीता अग्रवाल द्वारा की गई। आपने समीक्षा करते हुए कहा कि - प्रस्तुत संकलन के शीर्षक में ही बहुत बड़ा विरोधाभास छुपा है, क्योंकि लोकतंत्र का अर्थ - "जनता द्वारा, जनता के लिए, जनता का शासन है।" लेकिन शीर्षक में इसे 'मेरे बाप की बपौती' अर्थात् परम्परा से चली आ रही सत्ता सिर्फ और सिर्फ मेरी है। इस प्रकार इस संकलन में समकालीन समाज की तस्वीर साफ साफ दिखाई देती है। इस व्यंग्य संकलन में एक ओर जहाँ सामाजिक सरोकार है तो दूसरी ओर समाज में व्याप्त विसंगतियों पर गहराई से कटाक्ष किया गया है। व्यंग्यकार ने अपनी बात बहुत ही सहज ढंग से पाठकों के सम्मुख रखी है जिससे किसी को ठेस भी न लगे।

लेखक ने 160 पृष्ठ की इस व्यंग्य पुस्तक के माध्यम से राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक समस्याओं का पर्दाफाश किया है। इस संग्रह के व्यंग्यों में जो लिखा है वह व्यंग्य ही है। संग्रह में जो थोड़ा अखरता है तो वह बस यही कि कुछ व्यंग्यों के शीर्षक लम्बे हो गये हैं। हो सकता है, इसके पीछे व्यंग्यकार का अपना कोई खास दृष्टिकोण रहा हो।

आज व्यंग्यसाहित्य के उपवन में कई चर्चित नाम हैं, जो अपनी लेखनी के माध्यम से व्यंग्य की परवरिश करने में जुटे हुए हैं। इसी परम्परा में डॉ. देवेन्द्र जोशी के इस संकलन को लिया जा सकता है और कह सकते हैं कि व्यंग्य उनके लिए शाब्दिक तिकड़म नहीं, सामाजिक सरोकार है। व्यंग्यों की एक-एक पंक्ति पाठक को पढ़ने, सोचने के लिए विवश करती है। विसंगतियों के प्रति आक्रोश और आक्रामकता से सराबोर डॉ. देवेन्द्र जोशी का यह संग्रह बेहद कलात्मक बन पड़ा है और स्पष्ट हो गया है कि डॉ. देवेन्द्र जोशी राजनेताओं के मनोविज्ञान को बहुत गहराई से जानते और समझते हैं।

राष्ट्रीय कैडिट कोर (NCC)

सत्र 2021 - 2022 , NCC इकाई का कार्य अनवरत जारी है, अभी भी देश कोरोना महामारी की बीमारी से ग्रसित है इन सभी के बीच NCC इकाई का सत्र 21 June योग दिवस से प्रारम्भ होता है जिसमे महाविद्यालय NCC इकाई के सैनिक छात्र। छात्राएँ द्वारा घर पर रहकर अपने परिवार एवं आस-पास के क्षेत्रो मे जागरूकता अभियान चलाया गया। सत्र की online class 1 अगस्त से प्रारम्भ हुई। NCC गतिविधि के क्रम मे स्वामीविवेकानंद एवं स्वतंत्रता दिवस पर Postcard चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन 11 अगस्त को किया गया। अब गतिविधियाँ ground पर अपना स्वरूप ले रही थी। 23 Aug से RDC Selection केम्प तथा मालवनकर फायरिंग प्रतियोगिता का प्रारम्भ हुआ। 25 विद्यार्थियो के Troop मे महाविद्यालय की छात्रा पूर्वी चोहान द्वारा देवास फायरिंग range पर प्रथम तीन छात्राओ मे अपना नाम अंकित कर, रतलाम मे आयोजित संभाग स्तरीय Camp मे द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कोरोना गाइड लाइन का पालन करते हुए 4 से 13 oct 2021 तथा 18 - 27 oct 2021 तक CATC CAMP का आयोजन 10 MP BN NCC द्वारा किया गया जिसमे विद्यार्थीयो को रायफल खोलना जोडना, ड्रिल, एमकुश, आदि सैन्य पाठ्यक्रम की जानकारी दी गई 11 सितम्बर 2021 को FIT INDIA RUN का आयोजन किया गया जिसमे महाविद्यालय की सैनिक छात्र/छात्राओ ने सहभागिता कर प्रमाणपत्र प्राप्त किए। 2 Dec. 2021 को AIDS DAY पर जागरूकता रैली एवं स्लोगन तथा पोस्टर प्रतियोगिता 10 MP BN NCC

द्वारा आयोजित की गई। इस वर्ष आयोजित All INDIA TRACKING CAMP जो कि आंध्र प्रदेश कडपा मे 5 Dec. से 15 Dec. 2021 तक आयोजित हो रहा है जिसमे मद्यविद्यालय के SUO RAJDEEP PATEL तथा CHM SHRAVAN JAT सहभागिता कर रहे हैं। इस वर्ष आयोजित होने वाले CAMP ARMY ATTACHEMENT SAGAR के लिए सैनिक छात्र JUO GAUTAM TRIVEDI का चयन हुआ है। दिनांक 14.12.21 को भारत के प्रथम CDS मेजर जनरल विपिन रावत जी एवं उनके साथ एक दुखद घटना मे शहीद हुए 13 सेन्य अधिकारी को महाविद्यालय NCC इकाई द्वारा पुष्पांजली अर्पित की गई।

महाविद्यालय के छात्र सैनिको का सेन्य पाठ्यक्रम पूर्णता की ओर है एवं इस वर्ष B तथा C Certificate परिक्षा मे 25 सैनिक सहभागिता करेंगे सभी को उज्जवल भविष्य एवं अच्छे परिक्षा परिणाम की मंगलमय शुभकामनाएँ। इसी क्रम मे संविधान दिवस के अन्तर्गत शपथ, चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन 10 MP BN NCC द्वारा किया गया। दिनांक 11.12.2021 को 'EAT RIGHT WALKA THON का आयोजन देवासगेट से क्षीरसागर मेदान तक किया गया जिसमे महाविद्यालय के छात्र सैनिको JUO Gautam Trivedi, Ritik Patidar, Kaustubh Kashyap, Aaditya Patil ने सहभागिता कर प्रमाण पत्र प्राप्त किया। सफलता और मेहनत का क्रम जारी है पूर्ण विश्वास है महाविद्यालय NCC इकाई महाविद्यालय का नाम गौरवांवित करेगी।

"जय हिन्द जय भारत"

लेफ्टीनेंट चन्द्रशेखर शर्मा

(NCC अधिकारी एवं सहायक प्राध्यापक भौतिकी विभाग)

(NSS) राष्ट्रीय स्वंय सेवक
राष्ट्रीय सेवा योजना

लोकमान्य तिलक विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत दिनांक 17/9/22 को सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप मे शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय के प्राध्यापक श्री राजेश गंधरा जी उपस्थित थे। गंधरा जी ने राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्व को बताया किस तरह हम राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से विद्यार्थीयो का व्यक्तित्व विकास किया जा सकता है। विद्यार्थीयो का व्यक्तित्व विकास समाज सेवा के माध्यम से ही हो सकता है, राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत नियमित गतिविधियां जैसे - स्वच्छता अभियान, पौधा रोपण, जागरूकता रैली, रक्तदान शिविर कर सकते है, इसके अलावा हम 3 साल के लिए किसी ग्राम को गोद ग्राम के रूप मे ले सकते है। गांव मे सर्वे के माध्यम से हम ग्राम वासियो की जानकारी ले सकते है। जागरूकता रैली, नुक्कड़ नाटक, स्वच्छता अभियान, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, साक्षरता, करोना से बचने के उपाय एवं सावधानियां, टीकाकरण अभियान को लेकर जागरूकता का संदेश हम ग्राम मे दे

सकते हैं, गंधरा जी ने बताया की नई शिक्षा निति मे राष्ट्रीय सेवा योजना को एक वैकल्पिक विषय के रूप मे रखा गया है जिससे विद्यार्थी रा.से.यो. के बारे मे एक विषय के रूप मे भी पढ़ सकता है। सभी जानकारी गंधरा जी के द्वारा दी गई। महाविद्यालय के प्राचार्य महोदय डॉ. गोविन्द गन्धे जी ने अपने रा.से.यो. के अनुभव सुनाए। सलाहकार समिति की बैठक मे डॉ. अनीता अग्रवाल, डॉ. अंजली शाह, डॉ. नितीशा तोषनीवाल, श्री सुधीर कुमार सोलंकी, विद्यार्थी एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. स्मृति जैन एवं श्रीमति अनुराधा परमार उपस्थित थे।

वर्चुअल मीटिंग का आयोजन - लोकमान्य तिलक विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय में दिनांक 2/9/21 को राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत प्रथम वर्ष के विद्यार्थीयो के लिए वर्चुअल मीटिंग का आयोजन गूगल मीट के माध्यम से रखा गया इस मिटिंग का उद्देश्य विद्यार्थीयो को राष्ट्रीय सेवा योजना की जानकारीयो से अवगत कराना था। सर्वप्रथम कार्यक्रम अधिकारी डॉ. स्मृति जैन ने विद्यार्थीयो को बताया कि रा.से.यो. का उद्देश्य समाज मे रहकर समाज की सेवा कर, खुद के व्यक्तित्व का विकास करना से है, राष्ट्रीय सेवा योजना के

प्रेरणा पुरुष स्वामी विवेकानन्द की जानकारी दी। रा.से.यो. का सिद्धांत वाक्य का मतलब निस्वार्थ सेवा की आवश्यकता का समर्थन करता है। यह बताता है कि हम दूसरे के दृष्टिकोण की सराहना करने वाले बने तथा प्राणी मात्र के लिए सहानुभूति रखे। विक्रम विश्वविद्यालय मे छब्बीस सौ स्वंयसेवक प्रतिवर्ष पंजीकृत होते है। की जानकारी दी गई। ओपन यूनिट की कार्यक्रम अधिकारी श्री मति अनुराधा परमार ने शिविर की जानकारी दी, शिविर के अंतर्गत महाविद्यालय स्तरीय, विश्वविद्यालय स्तरीय, जिला स्तरीय, राज्य स्तरीय, राष्ट्रीय, अंतराष्ट्रीय स्तरीय, R.D परेड, प्री R.D शिविर, मेगा कैम्प जो सांस्कृतिक गतिविधियो पर आधारित होता है। एडवेंचर कैम्प जिसके अंतर्गत पहाड़ों पर चढ़ने की ट्रेनिंग, रिवर क्रोसिंग सभी सिखाया जाता है भारत सरकार खेल मंत्रालय द्वारा, सभी शिविर मे सर्टिफिकेट दिये जाते है जिसका लाभ स्वंयसेवक को नौकरी मे अथवा उच्च शिक्षा मे मिलता है। की जानकारी दी गई। महाविद्यालय के प्राचार्य महोदय द्वारा बताया गया कि रा.से.यो.के अंतर्गत आप किसी भी गाँव को 3 साल के लिए गोद ग्राम के रूप मे ले सकते है रा.से.यो. मे विद्यार्थी

जन साक्षरता के माध्यम से निरक्षरो को साक्षर कर सकते है। विद्यालय या महाविद्यालय छोड़कर जाने वाले विद्यार्थीयो को विद्यालय हेतु एवं महाविद्यालय जाने के लिए प्रेरित कर सकते है। अथवा निचली कक्षाओं के छात्रो को पढ़ाई मे मदद कर सकते है। पर्यावरण संरक्षण के अंतर्गत वृक्षा रोपण का कार्य कर सकता है। स्वास्थ्य शिक्षा एवं प्राथमिक उपचार मशीज्ो की मदद, पौष्टिक आहार कार्यक्रम, पेयजल परियोज्ना मे सहायता, जल शुद्दिकरण कार्यक्रम हेतु प्रेरणा का कार्य करना, सहायता, बचाओ, विपदा ग्रस्त लोगो के लिए आवश्यक सामग्री का संकलन, क्षेत्र की आवश्यकता जैसे कार्य समाज के लिए राष्ट्रीय सेवा योज्ना के माध्यम से किए जाते है। जिससे की विद्यार्थी का सर्वांगीण विकास हो सके। सभी जानकारी महाविद्यालय के प्राचार्य महोदय द्वारा दी गई। इसमे 40 विद्यार्थीयो ने सहभागीता की।

अभिमुखीकरण शिविर - विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन के राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ के द्वारा नवीन राष्ट्रीय सेवा योजना स्वंयसेवको के अभिमुखीकरण हेतु सात दिवसीय अभिमुखीकरण शिविर का शुभारंभ किया गया। विक्रम विश्वविद्यालय के विक्रम

कीर्ति मंदिर ऑडिटोरियम मे आपोजित शुंभारंभ समारोह मे मुख्य अतिथि के रुप में विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन के माननीय कुलपति प्रो. अखिलेश कुमार पाण्डेय जी ने स्वंयसेवकों को राष्ट्रीय सेवा योजना का महत्व बताया। विशिष्ट अतिथि के रुप में हिन्दी विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. प्रेमलता चुटेल तथा शासकीय विधि महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ. प्रुस प्रुन शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विक्रम विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक तथा माननीय कुलसचीव डॉ. प्रशान्त पुराणिक जी. ने की। राष्ट्रीय सेवा योजना मुक्त रुकाई के कार्यक्रम अधिकारी तथा शिविर संचालक डॉ. रमण सोलंकी जी द्वारा स्वागत भाषण दिया गया तथा आभार उज्जैन. जिला संगठक व शिविर संगठक डॉ. प्रदीप लारवरे जी ने व्यक्त किया। इस शिविर मे उज्जैन के सभी महाविद्यालय क रा. से. यो. के कार्यक्रम अधिकारी उपस्थित थे। शिविर में उज्जैन के विभिन्न महाविद्यालयो तथा विद्यालयों के स्वंयसेवक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। इस शिविर मे लोकमान्य तिलक विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय के दस स्वंयसेवको ने भागीदारी की। शिविरार्थीयो ने विक्रम विश्वविद्यालय

के आधारशिला दिवस कार्यक्रम में भी भागीदारी की। इसके अलावा सात दिन तक स्वंयसेवकों के माध्यम से 84 ग्रामों में जनसंपर्क स्थापित किया गया। स्वंयसेवकों ने स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत पॉलीथिन उन्मूलन का कार्य किया तथा स्वच्छता के प्रति जनजागृति की। स्वंयसेवकों ने वैक्सीनेशन जागरूकता अभियान भी चलाया। विक्रम विश्वविद्यालय परिसर में भी पॉलिथीन उन्मूलन अभियान चलाया। सभी मे महाविद्यालय के स्वंयसेवकों की भागीदारी रही। बौद्धिक गतिविधि के अंतर्गत विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों द्वारा शिविरार्थियों का मार्गदर्शन किया गया। सांस्कृतिक गतिविधियों मे लोकमान्य तिलक महाविद्यालय के स्वंयसेवकों ने नाटक के माध्यम से स्वच्छता का संदेश दिया गया, समूह नृत्य के माध्यम से देश भक्ति गीत पर प्रस्तुति दी गई, आजादी के अमृत महोत्सव पर स्वंयसेवकों ने भाषण प्रतियोगिता मे भागीदारी की। डॉ. स्मृति जैन (कार्यक्रम अधिकारी), श्रीमति अनुराधा परमार (कार्यक्रम अधिकारी) के द्वारा इस शिविर मे एक - एक दिवस पर संचालन का कार्य किया गया। भाषण प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक गतिविधि मे निर्णायक के रूप मे

भागीदारी की गई छात्र प्रतिनिधित्व के रूप मे रश्मीद मोदी द्वारा भागीदारी की गई
लोकमान्य तिलक विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय के स्वंयसेवक रश्मीत मोदी, निखिल पंवार, नमन नामदेव, कुणाल शुक्ला, कृष्णकांत निगम, तरुण वैष्णव, हीमांशु माली, ईशा धौलपुरिया ने अभिमुखीकरण शिविर की सभी गतिविधियों मे भागीदारी की।

1 नवम्बर 2021 (मध्यप्रदेश स्थापना दिवस)
विक्रम विश्वविद्यालय के विक्रम कीर्ति मंदिर मे मध्यप्रदेश का 66 वाँ स्थापना दिवस मनाया गया जिसका उद्देश्य "जन भागीदारी से जन आंदोलन" कार्यक्रम के अंतर्गत हमारा समाज - हमारी जिम्मेदारी अभियान राष्ट्र निर्माण, शिक्षा, स्वास्थ्य पोषण एवं समग्र विकास रहा। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के दिन सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया, सांस्कृतिक गतिविधि मे लोकमान्य तिलक विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय के पाँच स्वंयसेवक - रश्मीद मोदी, निखिल पंवार, तरुण वैष्णव, कुणाल शुक्ला एवं ईशा धौलपुरिया ने देश भक्ति गीत पर समूह नृत्य कर देश भक्ति का संदेश दिया। कार्यक्रम मे विक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति महोदय अखिलेश कुमार पाण्डेय जी कुलसचिव डॉ. प्रशांत पुराणिक,

नवोन्मेष

सभी महाविद्यालय के कार्यक्रम अधिकारी एवं लोकमान्य तिलक विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. स्मृति जैन एवं श्रीमति अनुराधा परमार उपस्थित थे।

"मैं बदल लूंगा तो जग बदलेगा" देश में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए लोकमान्य तिलक विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय मे दिनांक 26/11/2021 को सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गर्वनमेंट डिग्री कॉलेज हटपीपलिया के डॉक्टर विजय कुमार वर्मा रहे। उन्होने अपने उद्बोधन मे बताया कि किस तरह लैंगिक असमानता ने हमारे जीवन में गहराई तक घर कर लिया हैं। व इससे होने वाले नुकसान के बारे में जानकारी दी। उन्होने यह भी बताया कि हम किस तरह से उभर कर एक बार फिर लैंगिक समानता की ओर सरव कर एक बार फिर से मजबूत एवं महान राष्ट्र बन सकते हैं उन्होने बताया की इस बदलाव की शुरुआत हमें खुद से ही करनी होगी क्योकिं हम बदलेगे तो जग बदलेगा। इस कार्यक्रम मे २५ स्वंयसेवक, महाविद्यालय के प्राचार्य महोदय डॉ. गोविन्द गन्धे, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. स्मृति जैन उपस्थित रहे।

Scanned with OKEN Scanner

1 दिसंबर 2021 (विश्व एड्स दिवस)
लोकमान्य तिलक विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय मे राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा विश्व एड्स दिवस कार्यक्रम के अंतर्गत विजय एड्स के सम्बन्ध मे समाज मे जागरूकता पर निबंध, पोस्टर स्लोगन का आयोजन किया गया जिसमे 15 स्वंयसेवको ने भागीदारी की। इसमे कार्यक्रम अधिकारी डॉ. स्मृति जैन, श्रीमती अनुराधा परमार उपस्थित रहे।

"शिक्षा एक निरंतर प्रक्रिया है,
यह एक साइकिल की तरह है।
यदि आप पेडल नहीं घुमाते हैं,
तो आप आगे नहीं जाते हैं।"

Scanned with OKEN Scanner

संभाग स्तरीय जिम्नास्टिक प्रतियोगिता दिनांक 19/01/22 **नवोन्मेष**

संभाग स्तरीय अंतरमहाविद्यालीय जिम्नास्टिक प्रतियोगिता आयोजित महाविद्यालय द्वारा अंतमहाविद्यालयीन संभाग स्तरीय जिम्नास्टिक प्रतियोगिता का आयोजन महाराजवाड़ा क्र० 3 जिम्नास्टिक हॉल में किया गया। उक्त प्रतियोगिता में संभागस्तर के खिलाड़ियों ने सहभागिता की।

प्रतियोगिता में सहभागिता करने वाली महाविद्यालयीन टीम में शा० कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, माधव कला, वाणिज्य महाविद्यालय, कालिदास कन्या महाविद्यालय, भारतीज्ञानपीठ महाविद्यालय, अध्ययनशाला वि० वि०, शासकीय महाविद्यालय शाजापुर आदि महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में सहभागिता की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एम.जी. सुपेकर वरिष्ठ क्रीडा अधिकारी संगीता कालेरकर, अध्ययनशाला से विक्रम डाबी जी रहे एवं इस कार्यक्रम की अध्यक्षता लोकमान्य तिलक विज्ञान एवं वाणिज्य के प्राचार्य डॉ. गोविन्द गन्धे जी के द्वारा किया गया। इस खेलविधा को सम्पन्न कराने मे एम.जी. सुपेकर, दिलीप चौहान, ओ.पी. शर्मा, संजय जोहरी, आर.एल. वर्मा, नरेन्द्र भीवारवत, आयुष त्रिवेदी, जितेन्द्र शर्मा, हर्दिका सिंग, नवरत्ना राठौर, अरविंद वर्मा, निधि वर्मा आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ी इस प्रकार है:-

1) आर्या बामनिया - भारतीय ज्ञानपीठ महाविद्यालय (प्रथम)
2) लक्ष्मी सावड़े - लोकमान्य तिलक विज्ञान एवं वाणिज्य महा. (द्वितीय)
3) सपना माली - शा. कालिदास कन्या महाविद्यालय (तृतीय)

रिदमिक जिम्नास्टिक
1) विपासना अवस्थी - शा. कन्या स्नातकोत्तर महा. (प्रथम)

बालक वर्ग -
1) रितेश जाधव - अध्ययनशाला वि. वि. उज्जैन
2) ईशु लश्करी - माधव कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय उज्जैन
3) तन्मय भावसार - अध्ययनशाला वि. वि. उज्जैन
4) रोहित माली - अध्ययनशाला वि. वि. उज्जैन
5) रवि राय - B.K.S.N शाजापुर

खेल और आराम में करो
खेल का चुनाव
खेलों द्वारा विकसित होता शरीर
तथा स्वास्थ्य पर पड़ता है
इसका अच्छा प्रभाव

संभाग स्तरीय मलखंभ प्रतियोगिता दिनांक 20/02/22 **नवोन्मेष**

संभाग स्तरीय अंतरमहाविद्यालय मलखंभ प्रतियोगिता आयोजित महाविद्यालय द्वारा अंतरमहाविद्यालयीन संभाग स्तरीय मलखंभ प्रतियोगिता का आयोजन लोकमान्य टिलक मलखंभ प्रशिक्षण केन्द्र में किया गया। उक्त प्रतियोगिता में संभागस्तर के खिलाड़ियो ने सहभागिता की।

प्रतियोगिता में सहभागिता करने वाली महाविद्यालयीन टीम में -

1) माधव कला वाणिज्य महाविद्यालय उज्जैन
2) शासकीय महाविद्यालय आचरौद
3) नवसंवत महाविद्यालय उज्जैन
4) कालिदास कन्या महाविद्यालय उज्जैन
5) निर्मला महाविद्यालय उज्जैन
6) फ्युचर विज़न महाविद्यालय उज्जैन
7) अध्ययनशाला वि.वि. उज्जैन
8) शा. कन्या स्नातकोतर महाविद्यालय उज्जैन
9) माधव सांइस महाविद्यालय उज्जैन
10) B.K.S.N शासकीय पी.जी. महाविद्यालय शाजापुर
11) लोकमान्य टिलक विज्ञान एंव वाणिज्य महाविद्यालय

आदि महाविद्यालय के विर्द्यार्थियो ने प्रतियोगिता में सहभागिता की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विक्रम विश्वविद्यालय परियेक्षक के निवृत्तमान क्रिडा अधिकारी डॉ. श्री शरद श्री नागर व कार्यक्रम के

विशिष्ट अतिथि डॉ. डी. डी. बेदिया जी रहे। एवं वरिष्ट क्रिडा अधिकारी संगीता कालेकर एवं डॉ. श्वेता महल्ला शा. महाविद्यालय सोयतकला से विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. गोविंद गन्धे जी ने की। इस अवसर पर चयन समिति के सदस्य डॉ. आशीष मेहता जी, श्री मती वंदना जैन, श्री मती ओशिन चौबे जैन, श्री राहुल बारोड़, श्री चन्द्रशेखर चौहान, श्री गौरव वर्मा निर्णायक की भूमिका में रहे।

इस प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ी इस प्रकार है :-

पुरुष वर्ग :- 1) पंकज गरगामा (शा. महाविद्यालय खाचरौद) (प्रथम)
2) राजवीर सिंह पवार (अध्ययनशाला वि.वि.) (द्वितीय)
3) रीतिक चंदेरीवाल (माधव कला वाणिज्य महाविद्यालय) (तृतीय)
4) सचिन गवली (B.K.S.N. शा. महाविद्यालय शाजापुर) (तृतीय)
5) दीपक गवली (अध्ययनशाला वि.वि.) (पंचम)
6) मयंक शर्मा (लो. टि. महाविद्यालय) (षष्टम)

रिजर्व 1) प्रितम पवन्तावरिया
2) शुभम शर्मा

महिला वर्ग :- 1) सोनू मण्डावलिया (शा. महाविद्यालय खाचरौद) (प्रथम)
2) संजना प्रजापति (शा. कन्या स्नातकोत्तर महा.) उज्जैन (द्वितीय)

3) शैविका गवली (B.K.S.N. शा॰ महाविद्यालय शाजापुर) तृतीय
4) राजनंदनी कहार (नवसंवत महाविद्यालय उज्जैन) चतुर्थ
5) रवीना खमोरिया (निर्मला महाविद्यालय उज्जैन) पंचम
6) केशवी पुरोहित (फ्युचर विज़न महाविद्यालय उज्जैन) षष्ठम्

Scanned with OKEN Scanner

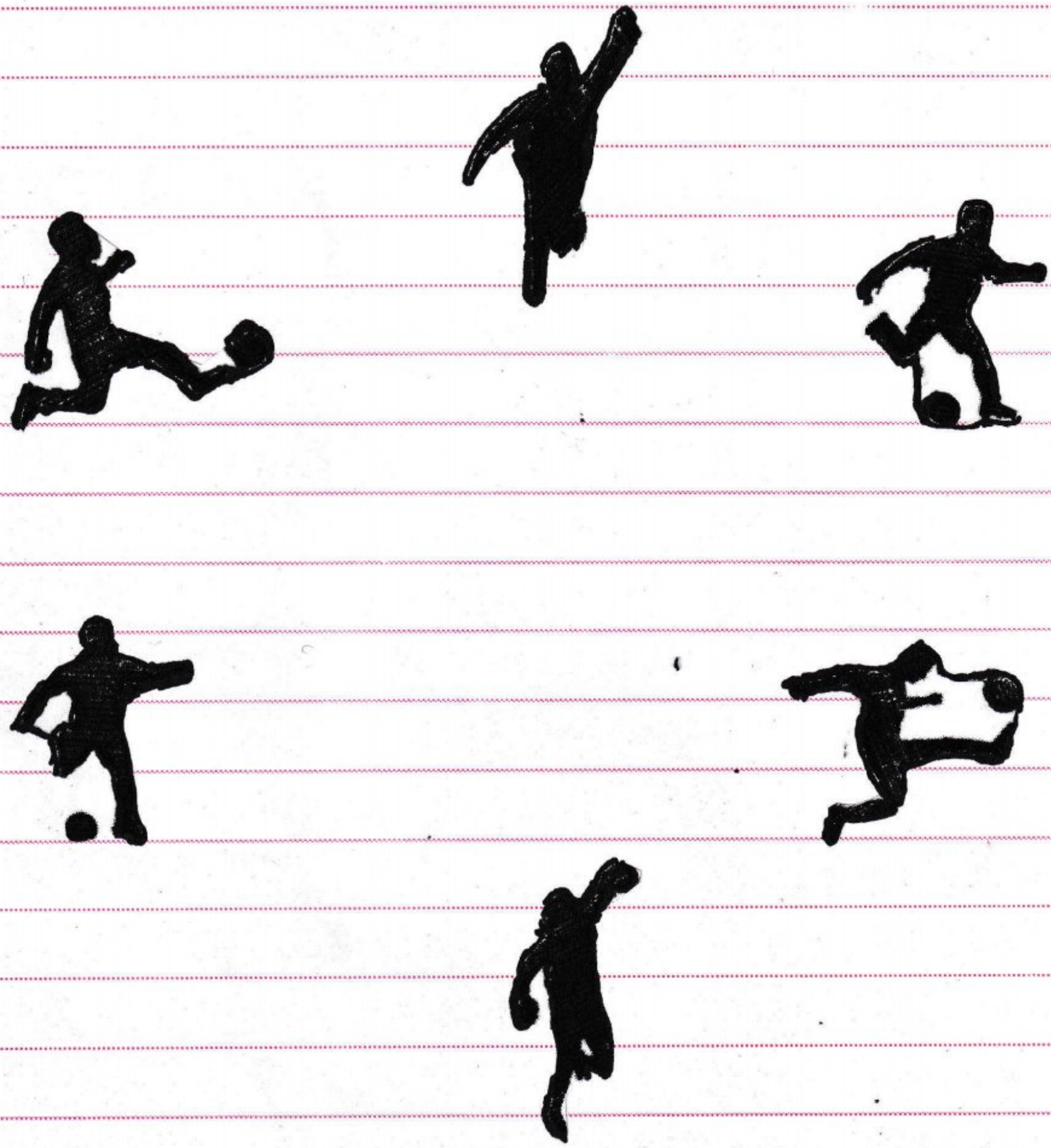

जिला स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगीता वर्ष 2021-22

जिला स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगीता वर्ष 20-21-22 का आयोजन दि. 7।।2।22 को किया गया जिसमें शासकीय महाविद्यालय बड़नगर, शासकीय महाविद्यालय महीदपुर अध्ययनशाला (V.V.), लोकमान्य तिलक महाविद्यालय पुरुष दल ने जिला स्तरीय प्रतियोगीता में सहभागीता की।

जिसमें संभाग स्तरीय जिन खिलाड़ीयों का चयन किया गया खिलाड़ीयो के नाम-

अर्थव तिलगुड़कर	लोकमान्य टिलक उज्जैन
हर्षित हम्मड़	अध्ययन शाला उज्जैन
योगेश कुमावत	" " "
शिवम माटिया	शा. महाविद्यालय, महिदपुर
कुलराज सिंह परिहार	लोकमान्य टिलक, उज्जैन
निलेश पाटीदार (S.B)	लोकमान्य टिलक उज्जैन
यश वर्मा (S.B)	शा. महाविद्यालय, बड़नगर

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में लोकमान्य तिलक लोकमान्य तिलक विद्यया विहार के प्राचार्य श्री ज्ञानेन्द्र शर्मा सर उपस्थित रहें। साथ ही इस कार्यक्रम को सफलता पूर्ण सम्पन्न कराने में महाविद्यालय के सम्मानिय शिक्षक डॉ केतकी त्रिवेदी, डॉ. अक्षिता तिवारी, ले. चन्द्रशेखर शर्मा, श्री दिलीप चौहान, श्री दिनेश चौने टेबल टेनिस संघ के सचिव श्री सतीश मेहता भी उपस्थित रहें।

राष्ट्रीय युवा दिवस

क्रीड़ा विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त प्रयास से महाविद्यालय में 12 जनवरी 2022 को स्वामी विवेकानँद जयंती के उपलक्ष्य में छात्र - छात्राओं द्वारा सूर्य - नमस्कार किया गया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. गोविन्द गन्धे द्वारा स्वामी विवेकानंद की चित्र पर माल्यार्पण किया गया है। समस्त शिक्षकगण एंव विद्यार्थियो ने स्वामी विवेकानंद जी के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित किये। क्रीड़ा अधिकारी दर्शनी त्रिपाठी ने विद्यार्थियो को सूर्य - नमस्कार करवाया। शिक्षको व विद्यार्थियो के द्वारा 250 सूर्य-नमस्कार सम्पन्न किये गये।

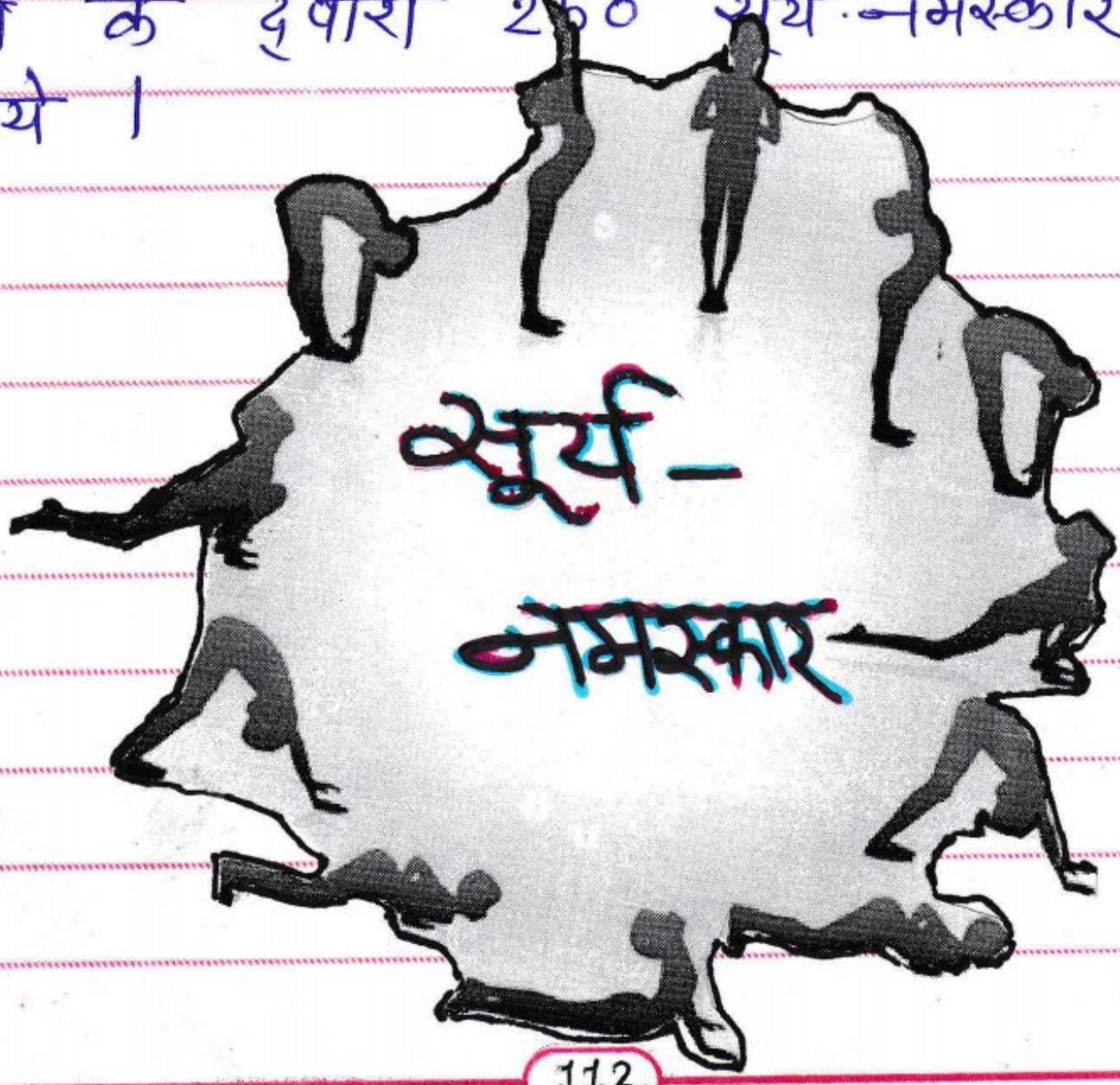

राज्य स्तरीय टेबल -टेनिस प्रतियोगिता 07/02/22 से 08/02/22

राज्य स्तरीय उच्च शिक्षा विभाग टेबल टेनिस प्रतियोगिता आयोजित महाविद्यालय द्वारा राज्य स्तरीय टेबल -टेनिस (म/पु) का आयोजन लोकमान्य टिलक विज्ञान / वाणिज्य महाविद्यालय द्वारा किया गया। उक्त प्रतियोगिता मे 8 संभागोसे खिलाड़ियो ने सहभागिता की।

प्रतियोगिता मे उक्त संभाग

(1) उज्जैन संभाग (6) इंदौर संभाग
(2) जबलपुर संभाग (7) सागर संभाग
(3) भोपाल संभाग (8) छिंदवाडा संभाग
(4) ग्वालियर संभाग
(5) रीवा संभाग

एंव विश्वविद्यालय की पुरुष / महिला टीम ने भाग लिया। भारतरत्न लता मंगेशकर के देवलोकगमन पर दो दिवसीय राष्ट्रीय शोक होने के कारण कार्यक्रम का शुभारंभ सादगी पूर्ण ढंग से हुआ। शुभारम्भ समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. आर.सी. जाटवा अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा विभाग थे। विशेष अतिथि ओ. पी. हारोड़ संभाग अधिकारी खेल एंव युवा कल्याण विभाग रहे। अध्यक्षता लो. टि. महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. गोविन्द गन्धे ने की। संयोजक स्पर्धा संगीता कार्लेकर वरिष्ट क्रिडा अधिकारी स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय उज्जैन मुख्य निर्णायक सतीश

मेहता उज्जैन जिला टेबल - टेनिस संघ थे।

पुरुष वर्ग मे विजेता - भोपाल संभाग
पुरुष वर्ग मे उपविजेता - इन्दौर संभाग

महिला वर्ग मे विजेता - इन्दौर संभाग
महिला वर्ग में उपविजेता - शिवा संभाग

समापन व पुरस्कार वितरण कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्या डॉ. अनिता अग्रवाल ने की। मुख्य अतिथि अध्यक्ष जिला टेबल-टेनिस एसोसियन के एस. पी. झा. श्री मती संगीता कालेकर. श्री सतीश मेहता मुख्य निर्णायक सचिव टेबल-टेनिस एसोसियन थे। श्री संजीत राय क्रीडा अधिकारी माधव साइस कॉलेज उपस्थित थे।

8 संभागो के पुरुष/महिला वर्ग के 100 खिलाड़ियो व क्रीडा अधिकारीयो ने भाग लिया। सह संयोजक श्री सुधीर सोलंकी, डॉ अंजिता तिवारी, डॉ केतकी त्रिवेदी, डॉ. ममता पण्ड्या, डॉ. नितिशा तोषनीवाल. श्री योगेश मिश्रा. श्री चन्द्रशेखर शर्मा. श्री मती सोनल गोधा. क्रीडा अधिकारी श्री दर्शनी त्रिपाठी उपस्थित थे।

महाविद्यालय के गौरव

विक्रम विश्व विद्यालय दल का प्रतिनिधित्व करने वाले छात्र

थ्रोम - मंथक शर्मा (B.COM (H) III rd yr.)
टेबल टेनिस - अर्थव तिलगुडकर (B.COM (C.A) III rd yr.)
बेडमिंटन - अवंतिका स्वामी (B.COM (H) III rd yr.)
बेडमिंटन - सारा खान (B.COM (C.A) III rd yr.)
बेडमिंटन - नंदनी बेकरे (B.S.C III rd yr.)
तैराकी - सृष्टी तिवारी (B.SC III rd yr.)
तैराकी - गौतम उपाध्याय (B.B.A III rd yr.)

क्रीड़ा विभाग - महाविद्यालय के दलों की सहभागिता

सत्र 2021-22 में महाविद्यालय के दल व खिलाड़ीयो ने विभिन्न खेल विधाओं में जिला/संभाग एवं राज्य स्तर पर सहभागिता की।

राज्यस्तर - बेडमिंटन (म.) प्रतियोगिता में महाविद्यालय से 3 छात्राओं (खिलाड़ी) ने सहभागिता की।

राज्यस्तरीय योग (पु.) प्रतियोगिता में महाविद्यालय के 1 खिलाड़ी ने सहभागिता की।

राज्यस्तरीय टेबल टेनिस (पु.) प्रतियोगिता में महाविद्यालय के 1 खिलाड़ी ने सहभागिता की।

राज्यस्तरीय बास्केटबॉल (पु.) प्रतियोगिता में महाविद्यालय के 1 खिलाड़ी ने सहभागिता की।

राज्यस्तरीय कबड्डी (पु.) प्रतियोगिता में महाविद्यालय के 1 खिलाड़ी ने सहभागिता की।

संभाग स्तर :-

संभाग स्तरीय बास्केटबॉल (पु.) प्रतियोगिता में महाविद्यालय के 1 खिलाड़ी ने सहभागिता की।

संभाग स्तरीय कबड्डी (पु.) प्रतियोगिता में महाविद्यालय के 1 खिलाड़ी ने सहभागिता की।

संभाग स्तरीय क्रिकेट (पु.) प्रतियोगिता में महाविद्यालय के 2 खिलाड़ी ने सहभागिता की।

Scanned with OKEN Scanner

संभाग स्तरीय व्हालीबाल (पु.) प्रतियोगिता में महाविद्यालय के 1 छात्र ने सहभागिता की।

संभाग स्तरीय टेबलटेनिस (पु.) प्रतियोगिता मे महाविद्यालय के 1 छात्र ने सहभागिता की।

संभाग स्तरीय फुटबॉल (पु.) प्रतियोगिता मे महाविद्यालय के 1 छात्र ने सहभागिता की।

संभाग स्तरीय अथलेटिक्स प्रतियोगिता मे महाविद्यालय के 6 छात्राओ (खिलाड़ीयो) ने सहभागिता की।

संभाग स्तरीय (जिमनास्टिक) प्रतियोगिता मे महाविद्यालय की 1 खिलाड़ी छात्रा ने सहभागिता की।

संभाग स्तरीय मलखंभ प्रतियोगिता में महाविद्यालय के 1 खिलाड़ी छात्र ने सहभागिता की।

एक अच्छा खिलाड़ी खुद
को प्रेरणा देता है,
जबकि एक महान खिलाड़ी
दूसरों के लिए
प्रेरणास्त्रोत बनता है।

Scanned with OKEN Scanner

सार रूप क्रीड़ा गतिविधियाँ

खेल विधा	जिलास्तर	संभागस्तर	वि.वि.स्तर
वॉलीबॉल (पु.)	04	01	—
योग	✓	✓	✓
टेबल टेनिस	04	02	01
बास्केट बॉल	03	01	—
तैराकी	02	02	02
कबड्डी	07	01	—
बेडमिंटन	04	03	03
फूटबॉल	01	01	—
मलखम्ब	01	01	
जिम्नास्टिक	01	01	
एथलेटिक्स		06	
शंतरज	05	—	—
क्रिकेट	11	02	

Scanned with OKEN Scanner